page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/14/2025 12:55 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू पश्चिम में अमृत 2.0 के तहत नए ट्यूबवेल का उद्घाटन

5 फेडरर की शानदार वापसी, आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा जलवा

8 घर पर सौंफ का पौधा कैसे उगाएं

मौसम जम्मू
न्यूनतम 11
अधिकतम 20

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-306 | जम्मू तवी, रविवार 14 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रशासन जम्मू-कश्मीर के हर पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है : मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 13 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन हर पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करता रहेगा। आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों को सरकारी नौकरियां प्रदान करने की पहल लगभग 13 महीने पहले शुरू हुई थी, जब कश्मीर मंडल के कुछ प्रभावित परिवार उनसे मिले और अपने दर्दनाक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उनकी कहानियों ने मुझे बहुत प्रभावित किया और हमने पुनर्वास के लिए वास्तविक मामलों की पहचान करने और उन्हें सरकारी नौकरियां प्रदान करने का निर्णय लिया। यह बातें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कही।

उपराज्यपाल शनिवार को श्रीनगर के लोक भवन सभागार में आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवार वालों को नियुक्ति पत्र सौंपा और प्रभावित परिवारों को न्याय, रोजगार और सम्मान प्रदान करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पीड़ितों से हुई अपनी मुलाकातों को याद करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि वे कई ऐसे परिवारों से मिले जिन्होंने आतंकवाद में अपने प्रियजनों को खो दिया और वर्षों तक चुपचाप संघर्ष करते रहे। उन्होंने कहा कि उनमें से एक ने मुझे बताया कि घर तबाह होने के बाद उसकी मां को उसे पालने के लिए भीख मांगनी पड़ी। कई बच्चे बिना माता-पिता के बड़े हुए, फिर भी उनकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आया।

उन्होंने कहा कि प्रशासन ने यह भी फैसला किया है कि आतंकवाद के वर्षों के दौरान पीड़ितों और उनके परिवारों से छीनी गई संपत्तियों को उनके असली मालिकों को लौटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी जरूरतमंद परिवार पीछे न छूटे। यहाँ तक कि जिन मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं की गई, उनकी भी जाँच की जाएगी और न्याय दिलाया जाएगा।

उपराज्यपाल सिन्हा ने बताया कि कैसे दशकों तक आतंकवाद से वास्तव में प्रभावित लोगों को नजरअंदाज किया गया जबकि आतंकवादी तंत्र से जुड़े लोगों ने अनुचित लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि एक समय था जब निर्दोष नागरिक मारे जा रहे थे लेकिन आतंकवाद का तंत्र फल-फूल रहा था। आतंकवाद से प्रभावित लोगों को चुपचाप सहने के लिए छोड़ दिया गया जबकि आतंकवाद के समर्थकों को विशेषाधिकार प्राप्त थे। उन्होंने इसे एक दर्दनाक विरोधाभास बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का महिमामंडन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आतंकवाद से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े कई सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है और संस्थानों को आतंकी तंत्र के प्रभाव से मुक्त करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि झूठे प्रचार और आतंकवाद में सहायता करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान कर उसे दंडित किया जाएगा। अपनी सरकार के संकल्प को दोहराते हुए सिन्हा ने कहा कि प्रशासन जम्मू और कश्मीर को आतंकवाद और उसके तंत्र से पूरी तरह मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संसद पर हमले की 24वीं बरसी- उपराष्ट्रपति, पीएम मोदी और सीआईएसएफ ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 13 दिसंबर। संसद पर हुए आतंकी हमले की 24वीं बरसी पर शनिवार को संसद भवन परिसर में शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करते हुए उनके सम्मान में एक गरिमामय और भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी लोगों ने संसद भवन परिसर में शहीदों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उन वीरों को याद किया, जिन्होंने लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस अवसर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक विशेष दस्ता ने शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर और शोक शस्त्र के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। पूरे समारोह के दौरान

सीआईएसएफ के जवानों ने अनुशासन, सटीकता और गरिमा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो बल की उच्च पेशेवर परंपराओं को दर्शाता है। यह सैन्य सम्मान शहीदों के प्रति गहरे सम्मान, कृतज्ञता और स्मरण का प्रतीक रहा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीन रंजन भी उपस्थित रहे। उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए बल के जवानों के उत्कृष्ट औपचारिक प्रदर्शन की सराहना की और देश की प्रमुख लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुरक्षा के प्रति सीआईएसएफ की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान यह संदेश भी स्पष्ट रूप से उभरा कि उन सुरक्षा कर्मियों के साहस, समर्पण और बलिदान की एक मार्मिक याद दिलाता है, जो आतंकवाद का सामना करते हुए दृढ़ रहे और भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की पवित्रता सुनिश्चित की। बता दें कि 13 दिसंबर, 2001 को जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादियों ने संसद परिसर को निशाना बनाया था, जिसमें दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसद सुरक्षा सेवा के दो सदस्य और एक माली की मौत हो गई थी। हमले के दौरान सुरक्षाबलों ने सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था।

खबर संक्षेप

घाटी में चिल्ले कलां पर बर्फबारी की सम्भावना

कश्मीर, 13 दिसंबर। कश्मीर घाटी में चिल्ले कलां पर बर्फबारी की सम्भावना जताई जा रहा है जिससे 40 दिनों तक कड़ाके की ठंड रहेगी। जम्मू कश्मीर में ठंड का प्रकोप जारी है। शनिवार को जम्मू संभाग में हल्के बादल छाए रहे। सुबह के समय हल्का कोहरा भी छाया रहा। वहीं कश्मीर घाटी में बादल छाए रहने से ठंड से थोड़ी राहत मिली है और न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ौतरी दर्ज की गई।

हालांकि मौसम विभाग ने घाटी के ऊपरी इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार जम्मू कश्मीर में 21 दिसम्बर से 'चिल्ले कलां' शुरू होगा जो 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दी की अवधि है। यह 29 या 31 जनवरी तक रहेगी। इस दौरान तापमान शून्य से काफी नीचे गिर जाता है भारी बर्फबारी होती है और डल झील सहित जलस्रोत जम जाते हैं। पानी की पाइपलाइनें फ्रीज हो जाती हैं जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता है। कश्मीरी लोग इस ठंड से बचने के लिए पारंपरिक फेरन और कांगड़ी का इस्तेमाल करते हैं। गुलमर्ग सोनमर्ग जैसे इलाकों में बर्फ की मोटी चादर बिछ जाती है।

ऑल्टो कार गहरी खाई में गिरी, एक व्यक्ति की मौत

डोडा, 13 दिसंबर। डोडा जिले के गंदोह इलाके में आज सुबह एक ऑल्टो कार के गहरी खाई में गिरने से कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार जिले के गंदोह के बरगी में जेके06ए/4490 रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक ऑल्टो कार सड़क से फिसलकर पास की गहरी खाई में गिर गई। कार में एक अकेला व्यक्ति सवार था जिसकी पहचान डोडा जिले के गंदोह के रहने वाले बंसी लाल के रूप में हुई। उसे पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा खाई से निकालकर गंदोह के उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

भूमि हड़पने वालों और मादक तस्करों के खिलाफ अभियान

जम्मू, 13 दिसंबर। जम्मू जिला प्रशासन ने भूमि हड़पने वालों और मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ अभियान को और तेज कर दिया है। जिला प्रशासन ने आज तहसील बाहू के गाँव नरवाल बाला में एक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। यह कार्रवाई जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देश और एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह के समन्वय में की गई। अभियान में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री में शामिल आठ अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। प्रशासन ने पर्याप्त समय देने के बावजूद तस्करों ने अपनी गतिविधियों में सुधार नहीं किया और वे लगातार मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री में लिप्त रहे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी अवैध संरचना या अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और एनडीपीएस से जुड़े मामलों सहित अन्य उल्लंघनों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत कृषि संबद्ध क्षेत्र की परियोजनाओं की प्रगति पर हुई समीक्षा बैठक

कठुआ, 13 दिसंबर। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जिले में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने अब तक की उपलब्धियों की क्षेत्रवार समीक्षा की और सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कार्यान्वयन एजेंसियों को समन्वित प्रयासों और जमीनी स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करके क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के अंतर्गत कार्यान्वित की जा रही अनेक परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई, जिनमें बाजरा और पौष्टिक अनाज,

कृषि यंत्रीकरण, मशरूम उत्पादन, तिलहन संवर्धन, एकीकृत कृषि, वाणिज्यिक पुष्पकृषि, वर्षा आधारित क्षेत्र विकास, बागों का पुनरुद्धार, डेयरी विकास, मटन उत्पादन, मुर्गी पालन, चारा विकास, मछली बीज और ट्राउट फार्म, रेशम उत्पादन, किसान खिदमत घर और अन्य संबंधित पहलें शामिल हैं। इसी प्रकार कृषि, बागवानी, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, भेड़पालन, मत्स्य पालन और सहकारी समितियों से संबंधित घटकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने चल रहे कार्यों को और गति देने और निर्धारित समय के भीतर एचएडीपी (कृषि विकास योजना) के सभी कार्यों को पूर्णतः लागू करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम के तहत मिलने वाले लाभों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए किसानों की क्षमता निर्माण पर भी बल दिया, ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके, आधुनिक पद्धतियों को अपनाया जा सके और कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

मुख्य जिला प्रबंधक और बैंकों के प्रतिनिधियों से विभिन्न एचएडीपी योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों के पात्र मामलों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया, ताकि लाभार्थियों को वित्तीय सहायता बिना किसी देरी के मिल सके। बैठक में कठुआ के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर, मुख्य जिला प्रबंधक और कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

घाटी के कई हिस्सों में ओजीडब्ल्यू के खिलाफ कार्रवाई शुरू, 150 से अधिक संदिग्ध हिरासत में

श्रीनगर, 13 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में आतंकवादियों के सहयोगियों (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ व्यापक कार्रवाई शुरू की। इसमें 150 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर में अब तक 150 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया जा चुका है जबकि घाटी के कई हिस्सों में आतंकवादियों के सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद और घाटी में मौजूद अन्य आतंकी संगठनों के आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए आतंकवादियों के सहयोगियों के खिलाफ शुरू की गई है।

उन्होंने बताया कि ओजीडब्ल्यू नेटवर्क के खिलाफ व्यापक कार्रवाई के तहत कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी जारी है।

यह कार्रवाई उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा जम्मू और कश्मीर में आतंकी तंत्र को खत्म करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराने के बाद की गई है।

उपराज्यपाल ने शनिवार सुबह जम्मू-कश्मीर में आतंकी तंत्र को समाप्त करने का संकल्प लिया और चेतावनी दी कि आतंकवाद के हमदर्दों और समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा।

लोकतंत्र में वोट का अधिकार और निष्पक्ष चुनाव सबसे कीमती है: कर्रा

जम्मू, 13 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के 1027 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक दल को आज जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने एलओपी राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी अभियान के खिलाफ कल रामलीला मैदान नई दिल्ली में होने वाली कांग्रेस महारैली में भाग लेने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आज दोपहर रेडिसन होटल नरवाल जम्मू के पास से वरिष्ठ नेता के साथ कर्रा ने कश्मीर और जम्मू क्षेत्र से पुरुष महिलाओं को ले जाने वाली कई बसों और निजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला, मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा, पूर्व मंत्री योगेश साहनी, पूर्व एमएलसी प्रभारी मुख्यालय वेद महाजन, पूर्व विधायक ए.आर. बल्कि, डीसीसी जम्मू शहरी अध्यक्ष मनमोहन सिंह, कांता भान, सतीश शर्मा और कई अन्य वरिष्ठ नेता पीसीसी प्रमुख के साथ थे। दिल्ली रवाना होने से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट छोरे-गड्डी छोरे, चलो चलो-दिल्ली चलो के नारे लगाए। पत्रकारों से बात करते हुए कर्रा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा और भारत के चुनाव आयोग को राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूचियों से लेकर विभिन्न राज्यों में चुनावों के संचालन तक की गई घोर अवैधताओं और अनियमितताओं के लिए दोषी ठहराया गया है।जिसने हमारे देश में चुनाव प्रणाली में लोगों के विश्वास को हिला दिया है।

मुख्यमंत्री उमर ने गुलमर्ग में एशिया की सबसे लंबी स्की ड्रैग लिफ्ट का उद्घाटन किया

श्रीनगर,13 दिसंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को गुलमर्ग के प्रसिद्ध स्कीइंग रिसॉर्ट में एशिया की सबसे लंबी स्की ड्रैग लिफ्ट का उद्घाटन किया समाचार एजेंसी दैनिक यंग ऑर्गेनाइज़र श्रीनगर से वरिष्ठ संवाददाता जाविद शाह के अनुसार, अब्दुल्ला ने कहा कि बारामूला जिले के गुलमर्ग में कोंगडोरी में स्की ड्रैग लिफ्ट से हिल स्टेशन में स्कीइंग के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार होगा और अंतरराष्ट्रीय शीतकालीन खेल मानचित्र पर इसकी स्थिति मजबूत होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, फ्रयह ऐतिहासिक उपलब्धि स्कीइंग के बुनियादी ढांचे को काफी हद तक बढ़ाएगी और अंतरराष्ट्रीय शीतकालीन खेल मानचित्र पर गुलमर्ग की स्थिति को और मजबूत करेगी। 726 मीटर लंबी स्की ड्रैग

लिफ्ट, जो एक चलती हुई छड़ को पकड़कर स्कीइंग करते समय व्यक्ति को ऊंचे स्थान पर ले जाने वाला उपकरण है, का निर्माण 3.65 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। अब्दुल्ला ने गुलमर्ग और उसके आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए 17 करोड़ रुपये से अधिक की पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं की एक श्रृंखला समर्पित की, जो जम्मू और कश्मीर को एक प्रमुख वैश्विक शीतकालीन पर्यटन स्थल के रूप में मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री ने गुलमर्ग में एकीकृत स्कीइंग प्रशिक्षण और साहसिक पर्यटन केंद्र का उद्घाटन किया और क्षेत्र में शीतकालीन खेलों के प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करने के लिए एकीकृत स्की प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए। इस अवसर पर बोलते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के पर्यटन परिदृश्य का मुकुट रत्न बना हुआ है और इसकी पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए आधुनिक, उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश आवश्यक है।

जम्मू में नशीले पदार्थों के तस्करों के आठ अवैध ठिकाने ध्वस्त किए गए

जम्मू, 13 दिसंबर। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में एक बड़े अभियान के तहत कथित तौर पर नशीले पदार्थों के तस्करों से संबंधित घरों सहित आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि एक व्यक्ति को 6.64 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। शनिवार को समाचार एजेंसी दैनिक यंग ऑर्गेनाइज़र जम्मू से वरिष्ठ संवाददाता आशुतोषके अनुसार, नशीले पदार्थों के तस्करों और ज़मीन हड़पने वालों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, जम्मू जिला प्रशासन ने जिला मजिस्ट्रेट राकेश मिन्हास के निर्देश पर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू जोगिंदर सिंह के समन्वय से बहू तहसील के नरवाल बाला गांव में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। जिला प्रशासन ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामलों में शामिल नशीले पदार्थों के तस्करों के आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद तस्करों ने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं और वे नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और खरीद में सक्रिय रूप से शामिल थे। जिला प्रशासन ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार के अवैध ढांचे या अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोहराया है कि एनडीपीएस से संबंधित अपराधों में शामिल लोगों के साथ-साथ अन्य उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक अलग घटना में, अधिकारियों ने कठुआ जिले के नागरी इलाके में वाहन चेकिंग के दौरान एक ड्रग तस्कर के पास से 6.64 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया।आरोपी परविंदर सिंह, जो कठुआ का निवासी है, एक मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहा था जिसे भी जब्त कर लिया गया।

ऑल जे एंड के ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने चक्का जाम की कॉल को 15 दिनों के लिए स्थगित किया

जम्मू, 13 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में ऑल जे एंड के ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा 15 दिसंबर 2025 को प्रस्तावित चक्का जाम को फिलहाल 15 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह चक्का जाम लखनपुर से लेकर कश्मीर के उड़ी तक प्रस्तावित था। इस बीच सरकार की ओर से ऑल जे एंड के ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष करण सिंह वजीर को बातचीत के लिए बुलावा भेजा गया। इसके बाद करण सिंह वजीर अपनी पूरी टीम के साथ जम्मू के सिविल सेक्रेटेरिएट में ट्रांसपोर्ट मंत्री सतीश शर्मा से मिलने पहुंचे। बैठक के दौरान ट्रांसपोर्टरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। यह। बैठक में एसोसिएशन की कुछ प्रमुख मांगों को सरकार ने मान लिया जबकि शेष मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

इन्हीं सकारात्मक चर्चाओं के बाद ऑल जे एंड के ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने चक्का जाम की कॉल को पूरी तरह वापस लेने के बजाय 15 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। ट्रांसपोर्ट मंत्री सतीश शर्मा ने एसोसिएशन को भरोसा दिलाया है कि उनकी सभी जायज मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

डीआईजी जेएसके रेंज ने कठुआ में सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिले में सतर्कता और सुरक्षा बढ़ाने के महत्व पर दिया जोर

कठुआ, 13 दिसंबर। जिले की मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए डीआईजी जेएसके रेंज शिव कुमार शर्मा आईपीएस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के साथ आगामी त्योहार के मद्देनजर डीपीएल कठुआ के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक गहन सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त एसपी कठुआ, डीएसपी मुख्यालय, डीएसपी डीएआर कठुआ, एसडीपीओ बॉर्डर, डीएसपी एसओजी कठुआ, एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ/लखनपुर /राजबाग/हीरानगर और पीटीएस कठुआ/आईआरपी 19वीं बटालियन कठुआ/ट्रैफिक/सेना/खुफिया ब्यूरो (आईबी), सीआरपीएफ/बीएसएफ/सीआईडी सीआई/सीआईडी एसबी/अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कठुआ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में सीमा पर घुसपैठ, राष्ट्रीय सुरक्षा बलों सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, ड्रोन उड़ाने का नियमन, अन्य राज्यों के पंजीकरण नंबर वाले वाहनों की जांच और डेरा की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान

सभी प्रतिभागियों को एसडीपीओ एसएचओ स्तर पर समन्वय स्थापित करने और अंतरराज्यीय मादक पदार्थों के तस्करों, गैंगस्टरों, आपराधिक रिकॉर्ड वाले अपराधियों और मवेशी तस्करों के बारे में जानकारी साझा करने का निर्देश दिया गया। प्रतिभागियों से एक बार फिर संयुक्त गश्त/सीएएसओ/नाका बढ़ाने और सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले वाहनों, विशेष रूप से सुबह के समय की जाँच करने का आग्रह किया गया।

क्ले मॉडलिंग से बनाए अपना करियर

अगर आपको कलाकृतियां बनाने में दिलचस्पी है, आपकी सोच रचनाधर्मी है तो आपके लिए क्ले आर्ट के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। कागज, लकड़ी और मिट्टी से बनी कलाकृतियों को अब घर में डेकोरेशन के रूप सजाया जाने लगा है।

मिट्टी और क्ले की मदद से अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल कर अगर आप घर बैठे ही बहुत कुछ नया बना डाल देते हैं तो अपने इस शौक को आप बतौर करियर की ओर मोड़ सकते हैं। कुछ समय पहले तक क्ले को महज बच्चों के खिलौनों के रूप में देखा जाता था लेकिन अब इसमें करियर की अपार संभावनाएँ जुड़ गई हैं।

क्ले मॉडलिंग की कला दिल से निकली हुई कला है। अगर आपका मन इसमें रमा हुआ है और मिट्टी से खेलना आपका शौक है तो आप इसमें बहुत आगे बढ़ सकते हैं।

आजकल विभिन्न प्रदर्शनियों से लेकर कला-संस्कृति से जुड़े बड़े आयोजनों में यह कला बखूबी इस्तेमाल की जाती है। एक बार आपका क्ले में हाथ साफ हो गया फिर आप सेरेमिक से लेकर नई-नई चीजों पर भी आसानी से काम कर सकते हैं। यही नहीं अगर आप एनिमेशन का कोई कोर्स करना चाहते हैं और आपकी क्ले मॉडलिंग पर अच्छी पकड़ है तो निश्चित तौर पर आप एनिमेशन में भी मास्टर हो सकते हैं।

मूलरूप से क्ले मॉडलिंग फाइन आर्ट्स का ही एक विषय है। यूँ तो आपमें हुनर और इस कला को सीखने की ललक है तो आप खुद-ब-खुद ही इसमें पारंगत हो जाएँगे।

इसके अंतर्गत क्ले मॉडलिंग का विषय खुद में बहुत रोचक है। इसी के साथ आप चाहें तो इसमें बैचलर और फिर मास्टर डिग्री भी ले सकते हैं।

■ अगर बैचलर्स नहीं करना चाहते तो शौकिया तौर पर हॉबी क्लासेस भी ले सकते हैं या फिर कोई शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड और गुड़गाँव के एपिसेंटर में भी मार्च और अप्रैल के माह में क्ले मॉडलिंग पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता रहता है।

क्या है जरूरी

■ अगर आप क्ले मॉडलिंग में स्नातक करना चाहते हैं तो इसमें प्रवेश के लिए 12वीं में आपके 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। वैसे हर कॉलेज का अपना अलग-अलग क्राइटेरिया होता है। इसके अतिरिक्त बैचलर के बाद आप फाइन आर्ट्स में ही मास्टर भी कर सकते हैं।

■ इन सबके अलावा आप चाहें तो किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट 3 और 6 महीने में शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं।

■ जब तक आप खुद तसल्ली न कर लें कि जो आपने बनाया है वह सही है तब तक उसे बनाते रहने का प्रयास आपमें हो। ये सभी गुण क्ले मॉडलिंग के लिए बेहद जरूरी हैं। अगर से सभी गुण आपमें हैं तो आप इसे बतौर करियर चुन सकते हैं।

■ क्ले मॉडलिंग को बतौर करियर चुनने के बाद आप किसी स्कूल में आर्ट टीचर बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपनी खुद की प्रदर्शनी लगा सकते हैं। आजकल किसी भी इवेंट में भी क्ले मॉडलिंग का प्रयोग होता है ताकि उस स्थान को आकर्षक बनाया जा सके। इससे इतर मेट्रो स्टेशन की सजावट और कॉमनवेल्थ गेम्स में स्टेडियम की सजावट से लेकर खेल गाँव को सजाने में भी क्ले मॉडलिंग का खूब इस्तेमाल हुआ।

■ इस क्षेत्र में आप शुरुआती दौर में 15 से 20 हजार तक आसानी से कमा सकते हैं। उसके बाद यदि आपने इस क्षेत्र में मास्टर किया है तो आपकी कार्यकुशलता के अनुसार आपका वेतन बढ़ता चला जाता है।

रत्नों में बनाएं उज्ज्वल भविष्य

जैमोलॉजी

रत्नों का बाजार भारत के कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा है। इस बड़े बाजार से भारत को अच्छी खासी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ट्रेनिंग के साथ ही तकनीकी ज्ञान होना नितांत आवश्यक है। इसके अलावा लोगों में पहले से ज्यादा रत्नों को धारण करने का चलन बढ़ा है। कई लोग ग्रहों को शांत करने, ग्रहों को अपने पक्ष में करने, व्यक्तिगत जीवन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए रत्न धारण करते हैं तो कुछ इसे आभूषण के तौर पर धारण करते हैं। रत्नों की खासियत के बारे में व्यापक जानकारी जैमोलॉजी के जरिए मिलती है। इसे हम यूं भी कह सकते हैं कि जैमोलॉजी के तहत रत्नों का अध्ययन किया जाता है।

गौरतलब है कि रत्नों को विलासिता, शान-शौकत की निशानी मानी जाती रही है। रत्नों को बादशाहत से जोड़कर भी देखा जाता रहा है, राजा-महाराज और बादशाह रत्नजड़ित आभूषण, मुकुट आदि धारण करते थे। पारंपरिक तौर पर रत्न जड़ित गहने बनाने का काम लोग पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। केवल सुनार ही नहीं, उनके कारीगर भी यह काम सीखते और सिखाते आ रहे हैं। लेकिन आज इसके लिए पारिवारिक पृष्ठभूमि जरूरी नहीं है। इस काम के लिए आज ढेरों प्रशिक्षण केंद्र खुल गए हैं जो डिजाइन, निर्माण और बनावट की गहरी जानकारी देते हैं। इसके अलावा रत्नों की जांच परख के लिए अब तो अत्याधुनिक मशीनें भी आ गई है। फैशन और एसेसरीज के बढ़ते मार्केट ने जैमोलॉजी के क्षेत्र को बहुत विस्तार दिया है। हमारे देश में जयपुर तथा सूरत दुनिया के सबसे बड़े रत्न कटिंग सेंटर हैं। यहां लेटेस्ट डिजाइन और ट्रेंड्स के रत्न तराशे जाते हैं। भारतीय जैम एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री तेजी के साथ उभरकर आई है। भारत में रत्न कटिंग करने वालों और कारीगरों को पूरी दुनिया में बहुत इज्जत से देखा जाता है।

वैश्विक जैम एंड ज्वेलरी मार्केट को बढ़ाने में भारतीयों का बड़ा योगदान रहा है। ब्रांडेड ज्वेलरी ने करियर के नए मौके सामने ला दिए हैं। ज्वेलरी निर्यात में भारत दुनिया के 70 फीसदी हिस्से का दावेदार है। पारंपरिक भारतीय रत्न जड़ित आभूषणों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। एक आंकलन के अनुसार भारत में कीमत के हिसाब से 60 फीसदी, वैल्यूम के हिसाब से 82 फीसदी और कट के हिसाब से 95 फीसदी हीरों की प्रोसेसिंग की जाती है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि जैमोलॉजी के क्षेत्र में बेहतर कैरियर उपलब्ध है।

जैमोलजिस्ट्स के काम में रत्न की जांच, छंटाई और सही श्रेणी में बांटने का काम प्रमुखता से होता है। ये लोग रत्न निर्माताओं और डिजाइनर्स को उपरोक्त बातों की जानकारी प्रदान करते हैं। किसी व्यक्ति पर होने वाले रत्नों के असर के बारे में भी इनकी जानकारी अहम होती है। जैमोलजिस्ट्स में सूक्ष्म अवलोकन करने, गहराई से जांच करने और शुद्धता की प्रामाणिकता सिद्ध करने की क्षमता होनी चाहिए। इस विषय में पढ़ाई करने के लिए उच्चतम तकनीकी जानकारी के अलावा कटिंग, छांटने, कीमत और पहचान की जानकारी जरूरी है।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के अलावा जैम कटिंग, जड़ाऊ जेवर बनाने, सुधारने तथा रत्न जड़ित घड़ियां, वस्त्र एवं एसेसरीज भी बनाई जाती है। इसके अलावा खुद डिजाइन तैयार करके बड़े ज्वेलर्स और कंपनियों को डिजाइन देने का काम भी बहुत मुनाफे का सौदा है। आभूषणों का बाजार बहुत बड़ा और बेहद प्रतियोगी है इसलिए काम शुरू करने से पहले सेल्स का अनुभव, मार्केटिंग की जानकारी तथा बिजनेस मैनेजमेंट के गुर सीखने जरूरी हैं। आज धोखाधड़ी के दौर में सिंथेटिक रत्न भी धड़ल्ले से ग्राहकों को बेचे जा रहे हैं इसलिए सही रत्न की पहचान के लिए सिर्फ भरोसा ही नहीं, साइंटिफिक तरीकों की जानकारी भी जैमोलजिस्ट्स को होनी जरूरी है। जैमोलॉजी कोर्स में दाखिले के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण है। इसके साथ ही अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है क्योंकि आपको देशी ही नहीं, विदेशी ग्राहकों और कंपनियों से भी तालमेल बैठाना होता है।

यदि आप घर से अपना काम शुरू करना चाहते हैं तो दो से तीन लाख रुपए का निवेश करना होगा लेकिन यह भी है कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी के कारोबार में 100 फीसदी का मार्जिन भी मौजूद है।

संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जैमोलॉजी, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, ए-89, सेक्टर-2, नोएडा।
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुलमोहर पार्क के पास, हौजखास, नई दिल्ली।
- इंडियन जैमोलजिकल इंस्टिट्यूट, निर्मल टावर्स, 10वां माला, 26 बाराखंबा रोड, नई दिल्ली।
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलजी, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली।
- इंडियन डायमंड इंस्टिट्यूट सुमुल डेयरी रोड, सूरत।

कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एकाग्रता जरूरी

अक्सर काम करते वक्त ध्यान भटक जाता है। इससे कई लोग इस समस्या से परेशान है। लगातार काम करने के दौरान अथवा ज्यादा काम होने पर ध्यान भंग होने की स्थिति बन जाती है। मनौवैज्ञानिक और चिकित्सक भी बताते हैं कि जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंतित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ तो अपराध भावना या हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन तथा घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। ऐसे कुछ उपाय हैं जिन्हें आप अपनाकर एकाग्रता बढ़ा सकते हैं।

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें, इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- अपने कार्यों को टाले नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार मन में न लाए बल्कि कमियों को तलाशे और नई ऊर्जा के साथ लक्ष्य पाने में जुटे रहे।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- अपनी काबलियत और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें।
- समय-समय पर आत्म अवलोकन करें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखे।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को नियंत्रित रखें ताकि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।

एसिस्टेंट ग्रेड परीक्षा में संभावनाएं

केंद्र सरकार से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्तशासी संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हर साल एसिस्टेंट ग्रेड के पदों पर काफी बड़ी संख्या में युवाओं की भर्तियां की जाती हैं। इसी प्रकार की नियुक्तियां अर्ध सैन्य बलों और पुलिस संगठनों में भी होती हैं। यह संख्या प्रति वर्ष हजारों में होती है लेकिन यह निश्चित नहीं होती है। इसकी चयन प्रक्रिया में 20 से 25 वर्ष तक के ग्रेजुएट युवा शामिल हो सकते है।

प्रमुख रूप से स्टाफ सिलेक्शन कमीशन या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस प्रकार की चयन परीक्षा का आयोजन केंद्र सरकार के अधिकांश मंत्रालयों और विभागों के लिए उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए किया जाता है पर कई संस्थाएं और निकाय स्वयं भी ऐसी परीक्षाएं संचालित करते हैं।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रति वर्ष एसिस्टेंट ग्रेड एग्जाम का संचालन किया जाता है। इसके जरिए रेल्वे बोर्ड सेक्रेटेरिएट सर्विस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट सर्विस, आर्म्ड फोर्सेस हेड क्वार्टर तथा भारत सरकार के अन्य विभागों में चयनित प्रत्याशियों को नियुक्त किया जाता है। परीक्षा के दो चरण होते हैं। पहले चरण में आब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों पर आधारित तीन घंटे की परीक्षा होती है इसमें चार विषयों की परीक्षा ली जाती है।

विषय- रीजनिंग एबिलिटी, जनरल अवेयरनेस अर्थमेटिक और लैंग्वेज (हिंदी या अंग्रेजी)। इनके 75-75 प्रश्न होते हैं। कुल 300 अंकों के ये सभी प्रश्न पत्र होते हैं। इसमें सफल उम्मीदवारों को ही मेन एग्जाम में शामिल होने की अनुमति मिल पाती है। प्रत्येक विषय के लिए अलग से टेस्ट पेपर दिया जाता है। प्रश्न अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही भाषाओं में होते हैं। लैंग्वेज प्रश्न पत्र सिर्फ पास करने की जरूरत होती है। इसके अंक मेरिट बनाते समय जोड़े नहीं किए जाते हैं। बहुविकल्पी प्रश्न होते हैं जिनमें से एक उत्तर पर निशान लगाना होता है।

रीजनिंग एबिलिटी के प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न होते हैं। इसके लिए प्रैक्टिस गाइड्स, कंपीटिशन पर आधारित पत्रिकाओं तथा नेट पर उपलब्ध सामग्री का लाभ उठाया जा सकता है। जनरल अवेयरनेस के खंड में इतिहास, भूगोल, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मामलों, भारतीय अर्थव्यवस्था तथा सामान्य विज्ञान पर प्रश्न पूछे जाते हैं।

अर्थमेटिक्स के पेपर में बुनियादी गणित से संबंधित प्रश्नों पर ज्यादा जोर होता है। प्रमुख भागों में अंकगणित, नंबर्स, स्टैटिस्टिक्स, ग्राफ तथा टाइम-डिस्टेंस आदि का नाम लिया जा सकता है। इस खंड में अपेक्षित सफलता पाने के लिए प्रैक्टिस ही एकमात्र विकल्प है।

भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) के प्रश्न पत्र का स्तर क्वालीफाइंग टाइप का ही होता है। प्रत्याशी के भाषा के व्यावहारिक ज्ञान की परख करना मात्र ही इस प्रश्न पत्र का एकमात्र उद्देश्य होता है।

मुख्य परीक्षा

इसमें प्रतिभागियों की भाषा ज्ञान के अतिरिक्त स्वयं को व्यक्त कर पाने की क्षमता की भी जांच की जाती है। उत्तर विस्तृत तरीके से लिखने की बाध्यता होती है। इसी प्रकार का टेस्ट अंकगणित का होता है जिसमें एसिस्टेंट के कार्यों के अनुरूप गणितीय कैलकुलेशन कर पाने की क्षमता को परखा जाता है। इसमें भाषा और गणित पर आधारित दो प्रश्न पत्र होते हैं। इस परीक्षा में 200 अंकों का अंग्रेजी और 100 अंकों का गणित आधारित प्रश्न पत्र होता है।

■ भाषा - इसमें 50 अंकों का जनरल अंग्रेजी का एक खंड होता है जबकि शेष 150 अंकों के खंड में कम्युनिकेशन एवं लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न शामिल किए जाते हैं।

■ अंकगणित - कुल सौ अंकों के इस दो घंटे की अवधि के प्रश्न पत्र में भी एलिमेंटरी गणित और सामान्य इस्तेमाल में आने वाले गणितीय अवधारणाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।

ऐसे करें तैयारी

■ अंग्रेजी या हिंदी भाषा की तैयारी के लिए व्याकरण की तैयारी के अलावा रोजाना लिखने की आदत भी डालें।

■ जनरल अवेयरनेस के लिए अखबारों और करंट अफेयर्स पर आधारित पत्रिकाओं को पढ़ने से काफी लाभ मिलता है।

■ लॉजिकल रीजनिंग के लिए सैंपल टेस्ट पेपर्स जितने कर सकें उतना ही फायदा पेपर्स के समय मिलेगा।

■ गणित में आठवीं से दसवीं तक की एनसीईआरटी की किताबों का अभ्यास करने से काफी बुनियादी जानकारी मिल जाएगी।

■ शब्दों के अर्थ के साथ उनके इस्तेमाल का ज्ञान भी होना चाहिए।

■ कैलकुलेशंस के शार्टकट फार्मूलों को याद करके जाए, इससे समय की काफी बचत होगी।

■ कम समय में अधिक प्रश्नों को करने की बाध्यता को देखते हुए अपने टाइम मैनेजमेंट को दुरुस्त रखें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कटड़ा के एसएमवीडीयू पहुँची भारत महा ईवी रैली, 93वें दिन किये पूरे

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। दुनिया की सबसे लंबी इलेक्ट्रिक वाहन यात्रा के रूप में जानी जा रही भारत महा ईवी रैली अपने 93वें दिन श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी (एसएमवीडीयू), कटरा पहुँची। यह रैली देशभर में इलेक्ट्रिक वाहनों और टिकाऊ परिवहन को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। यूनिवर्सिटी परिसर में रैली को डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. आर. के. मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया। इस अवसर पर एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ. राजीव कुमार, एनसीसी कोऑर्डिनेटर डॉ. वरुण दत्ता, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस एंड लिटरेचर के प्रमुख डॉ. अनुराग कुमार सहित फैकल्टी सदस्य और छात्र मौजूद रहे।

जानकारी के अनुसार यह रैली अब तक देश के 26 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजर चुकी है जबकि इसका अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव भूटान और नेपाल से भी रहा है। रैली का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना, लंबी दूरी की यात्राओं में उनकी व्यवहारिकता को दिखाना और देश में विकसित हो रहे ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति को सामने लाना है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन (आईएफईवीए) के अध्यक्ष डॉ. राजीव मिश्रा के नेतृत्व में यह पहल शैक्षणिक संस्थानों, नीति विशेषज्ञों, उद्योग जगत और युवाओं से संवाद कर रही है। रैली के दौरान जुटाए गए अनुभव और सुझाव भविष्य की ईवी नीतियों, बुनियादी ढांचे और सस्टेनेबल मोबिलिटी से जुड़ी योजनाओं के लिए उपयोगी माने जा रहे हैं। एसएमवीडीयू में रैली का पड़ाव छात्रों के लिए वैकल्पिक ऊर्जा और स्वच्छ परिवहन जैसे विषयों को समझने का एक अवसर भी रहा जहां पर्यावरण संरक्षण और डीकार्बोनाइजेशन पर विचार साझा किए गए।

जेयू, एनआईईएलआईटी जम्मू-कश्मीर ने आईटी शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के उधमपुर परिसर और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) जम्मू-कश्मीर ने आज जम्मू विश्वविद्यालय के उधमपुर परिसर में एनआईईएलआईटी-जेएंडके अध्ययन केंद्र (एनजेकेएससी) की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के माध्यम से एक महत्वपूर्ण संस्थागत सहयोग को औपचारिक रूप दिया।

समझौता ज्ञापन पर जम्मू विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. नीरज शर्मा ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह उधमपुर परिसर के रेक्टर प्रोफेसर यशपाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

जम्मू पश्चिम में अमृत 2.0 के तहत नए ट्यूबवेल का उद्घाटन

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू जिले के जम्मू पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में शनिवार को एक नया ट्यूबवेल जनता को समर्पित किया गया। कामधेनु फ्लैट्स के पास अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत करीब 75 लाख रुपये की लागत से तैयार इस 850 फीट गहरे ट्यूबवेल का उद्घाटन स्थानीय विधायक अरविंद गुप्ता ने किया। यह परियोजना जल शक्ति (पीएचई) विभाग, जम्मू के ग्राउंड वाटर और ड्रिलिंग डिवीजन द्वारा क्रियान्वित की गई है।अधिकारियों के अनुसार इस ट्यूबवेल की सुरक्षित डिस्चार्ज क्षमता लगभग 60 हजार लीटर प्रति घंटा है जिससे वार्ड नंबर 27, बख्शी नगर और आसपास के क्षेत्रों में जल आपूर्ति में सुधार होने की संभावना है। लंबे समय से पानी की कमी झेल रहे इलाकों के लिए इसे एक वैकल्पिक और भरोसेमंद स्रोत के रूप में देखा जा रहा है जिससे गर्मियों के दौरान होने वाली परेशानियों में कमी आने की उम्मीद है।

उद्घाटन के अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ पेयजल नागरिकों की बुनियादी आवश्यकता है और इसे सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी क्षेत्र में जल परियोजनाओं पर काम जारी है। स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि नया ट्यूबवेल क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को बेहतर बनाएगा। जल शक्ति विभाग के अधिकारियों ने भी क्षेत्र में स्थायी और सुचारु जल आपूर्ति बनाए रखने के लिए सहयोग जारी रखने की बात कही।

इस मौके पर पीएचई और ग्राउंड वाटर ड्रिलिंग डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर और स्थानीय प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सभी स्वदेशी उत्पाद अपनाएं, भारत को आत्मनिर्भर बनाएं- संजीता डोगरा

कठुआ, 13 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू कश्मीर भाजपा महासचिव एवं प्रदेश मुख्यालय प्रभारी संजीता डोगरा ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को विदेशी वस्तुओं का त्याग स्थानीय वस्तुओं को बढ़ावा देते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को हर घर तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

डोगरा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हीरानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों की विशाल भीड़ को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ मौजूद नेताओं में हीरानगर के विधायक विजय शर्मा, भाजपा कठुआ के जिला अध्यक्ष उपदेश अंदोत्रा, जिला महासचिव गगन सिंह और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विधायक विजय शर्मा द्वारा किया गया था और इसमें क्षेत्र के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। संजीता डोगरा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का दिया गया संदेश हर नागरिक तक पहुंचाना उनका संकल्प है। वे लोगों को हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी के महत्व के बारे में जागरूक कर रहे हैं।

जिला प्रशासन ने प्रदूषण फैलाने वाली टायर फैक्ट्री ईस्टमैन और कोहिनूर को किया सील

कठुआ, 13 दिसंबर (हि.स.)। कठुआ जिला प्रशासन ने सिडको गोविंदसर में स्थित प्रदूषण फैलाने वाली टायर फैक्ट्री मेसर्स ईस्टमैन और कोहिनूर इकाई को सील कर दिया है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन और प्रदूषण विभाग की संयुक्त टीम ने की है। फैक्ट्री को सील करने का आदेश डीसी ने दिया था जिसके बाद जिला प्रशासन और प्रदूषण विभाग की टीम ने फैक्ट्री पर छापेमारी की और उसे सील कर दिया।गौरतलब हो कि फैक्ट्री से हो रहे प्रदूषण से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही थी। इकाई से रोजाना पूरे क्षेत्र में बदबू का

आलम बना रहता था। जिसके चलते प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम ने इकाई से जवाब मांगा। उचित जवाब नहीं मिलने पर इकाई को बंद करने के निर्देश जारी किए गए। फैक्ट्री में मानकों के विपरीत काम हो रहा था। जिसके बाद जिला प्रशासन ने प्रदूषण फैलाने वाली इकाई को बंद कर दिया।

प्रशासन ने भूमि हड़पने वालों और नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ अभियान तेज किया

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू में नशीले पदार्थों के तस्करों और भूमि हड़पने वालों के खिलाफ चल रहे अभियान को जारी रखते हुए जम्मू जिला प्रशासन ने आज तहसील बहू के नरवाल बाला गांव में एक विध्वंस अभियान चलाया। यह अभियान जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देश पर एसएसपी जम्मू जोगिंदर सिंह के समन्वय से चलाया गया। जिला प्रशासन ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामलों में शामिल नशीले पदार्थों के तस्करों के आठ अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए।

पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद उन्होंने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं और नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री खरीद में सक्रिय रूप से शामिल थे।

किश्तवाड़ में थाना दिवस का आयोजन

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। किश्तवाड़ जिले में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा थाना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना किश्तवाड़ में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएसपी किश्तवाड़ नरेश सिंह ने की जबकि उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परदीप सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक फिरदौस अहमद भी मौजूद रहे। थाना दिवस में सिविल सोसायटी के सदस्यों, बाजार व दुकानदार संघों के प्रतिनिधियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए कई मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया गया जबकि अन्य विभागों से जुड़े मामलों को संबंधित विभागों को भेजा गया ताकि शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके

एसएसपी नरेश सिंह ने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस व प्रशासन का सहयोग करने और राष्ट्रविरोधी व असामाजिक तत्वों की पहचान में मदद करने की अपील की। उन्होंने व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी सलाह दी।

डीसी कठुआ इलेवन ने मीडिया इलेवन पर चार विकेट से जीत दर्ज की

कठुआ, 13 दिसंबर (हि.स.)। डीसी राजेश शर्मा की गेंदबाजी का जलवा कायम रहा, वहीं डीआईओ राजिंदर दिग्रा की विस्फोटक पारी ने डीसी कठुआ इलेवन को जीत दिलाई ।

एक बेहद रोमांचक और एक्शन से भरपूर मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में डीसी कठुआ इलेवन ने मीडिया इलेवन पर चार विकेट से जीत दर्ज की जिससे यह मुकाबला जिला प्रशासन और मीडिया जगत के बीच उत्साह, प्रतिस्पर्धा और सौहार्द से भरपूर एक मनोरंजक मैच बन गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मीडिया इलेवन ने ऑल आउट होने से पहले 119 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। राजकुमार और रमन ने 21-21 रनों की संयमित पारियों के साथ पारी को संभाला। डीसी कठुआ इलेवन के लिए गेंदबाजी की मुख्य बात कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा की अनुशासित और सटीक गेंदबाजी रही जिन्होंने अपने चार

ओवरों में मात्र 12 रन देकर 3 विकेट लिए। अमन ने भी अच्छा साथ दिया, उन्होंने अपने चार ओवरों के स्पेल में केवल 14 रन दिए और एक विकेट लिया जिससे रन रेट को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया गया।

जवाब में डीसी कठुआ इलेवन की तूफानी और निर्णायक पारी ने राजिंदर डिग्रा की बदौलत उनकी टीम को गति दी। डिग्रा ने मात्र 19 गेंदों में 48 रन बनाए, जिसमें छह छक्के और चार चौके मिले, जिससे मैच का रुख उनकी टीम के पक्ष में निर्णायक रूप से मुड़ गया। अमित सिंह ने भी 19 रनों का महत्वपूर्ण योगदान देते हुए लक्ष्य का पीछा करते समय टीम को स्थिरता प्रदान की। मीडिया इलेवन की सुदृढ़ गेंदबाजी के बावजूद जिसमें राजकुमार और प्रभु ने दो-दो विकेट लिए, डीसी कठुआ इलेवन ने चार विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

मैदान पर अपने प्रभावशाली ऑलराउंड प्रदर्शन और नेतृत्व के लिए, कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर बोलते हुए कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने कहा कि इस तरह के मैत्रीपूर्ण मैच जिला प्रशासन के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं जिनका उद्देश्य खेल संस्कृति, स्वस्थ जीवन शैली और नशा मुक्त अभियान को बढ़ावा देना है, ताकि युवाओं को सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों में लगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 13 दिसंबर (हि.स.)। नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने पुलिस पोस्ट नगरी के अधिकार क्षेत्र में लगभग 6.64 ग्राम हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर एक मोटरसाइकिल जब्त की। जानकारी के अनुसार एक विश्वसनीय सूत्र से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर प्रभारी पुलिस पोस्ट नगरी पीएसआई रविंदर ठाकुर के नेतृत्व में और डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह और एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ संदीप सिंह चिब के पर्यवेक्षण में एक पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में एक विशेष नाका/चेकिंग के दौरान सैदपुर से नागरी की ओर जा रही एक मोटरसाइकिल नंबर जेके08एन-4315 को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उसके अवैध कब्जे से 6.64 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

बी कॉम के छात्रों ने की इंडस्ट्रियल विजिट, फूड मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को समझा

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। डोगरा डिग्री कॉलेज (ऑटोनॉमस) द्वारा बी कॉम सेमेस्टर-1 के विद्यार्थियों के लिए सिडको बाडी ब्राह्मणा स्थित नव भारत फ्लोर मिल्स में एक शैक्षणिक इंडस्ट्रियल विजिट आयोजित की गई। इस विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक कार्यप्रणाली और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना था। छात्रों के साथ कॉमर्स विभाग की अमरप्रीत कौर और अनीता शर्मा भी उपस्थित रहीं। दौरे के दौरान फ्लोर मिल के प्रोडक्शन मैनेजर कुलदीप सिंह रावत ने विद्यार्थियों को यूनिट के विभिन्न सेक्शनों का अवलोकन कराया। उन्होंने गेहूं से आटा, मैदा, सूजी और चोकर जैसे उत्पाद तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। छात्रों को कच्चे माल की रिसीविंग, सफाई, ग्रेडिंग और प्रोसेसिंग के चरणों के बारे में बताया गया, जिसमें प्री-क्लीनिंग और मिलिंग तकनीक की भूमिका पर भी चर्चा की गई।

विद्यार्थियों को ऑटोमेटेड प्रोडक्शन सिस्टम और पैकेजिंग यूनिट दिखाई गई जहां मशीनों के माध्यम से उत्पादों की पैकिंग और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रिया समझाई गई। इस दौरान इंडस्ट्रियल मानकों, प्रोसेस ऑटोमेशन और सप्लाई चेन से जुड़े बुनियादी पहलुओं पर भी जानकारी दी गई। यह विजिट विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी रही जिससे उन्हें कक्षा में पढ़े गए विषयों को वास्तविक औद्योगिक परिवेश में समझने का अवसर मिला। इस तरह की गतिविधियों से छात्रों को इंडस्ट्री से जुड़े व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलती है।

पुंछ में सेना ने 105 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की आधारशिला रखी

जम्मू,, 13 दिसंबर (हि.स.)। पुंछ जिले में भारतीय सेना ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 105 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज और बच्चों के पार्क के निर्माण की आधारशिला रखी। यह कार्यक्रम एलओसी के समीप स्थित बंदीचछियन अपर क्षेत्र में आयोजित किया गया, जहां यह ध्वज पुंछ जिले का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज होगा।

कार्यक्रम में 25 डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी, हवेली के विधायक अजय जैन और पुंछ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा मौजूद रहे। इस अवसर पर मेजर जनरल मुखर्जी ने कहा कि यह राष्ट्रीय ध्वज न केवल पुंछ के लोगों के लिए एकता और गौरव का प्रतीक बनेगा बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र में देशभक्ति की भावना को भी और मजबूत करेगा। लंबे समय से सीमा तनाव झेल रहे इस क्षेत्र में यह पहल स्थानीय लोगों के लिए राष्ट्रीय गर्व का संदेश लेकर आई है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए पर्यावरण कार्यक्रम आयोजित

बिश्नाह, 13 दिसंबर (हि.स.)। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए पर्यावरण जागरूकता और समावेशी शिक्षा को समर्पित एक दिन मिडिल स्कूल ढिंढय खुर्द में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। एक दिवसीय पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम जोनल शिक्षा अधिकारी बिश्नाह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अमरजीत सिंह का उद्देश्य व्यापक पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि समावेशी शिक्षा का लाभ प्रत्येक सीडब्ल्यूएसएन छात्र तक पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक केवल कृष्ण और स्कूल संकाय ने की जिन्होंने मुख्य अतिथि विधायक बिश्नाह डॉ. राजीव भगत का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ. भगत ने सरकारी स्कूलों में सीडब्ल्यूएसएन छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के सर्वोपरि महत्व को दृढ़ता से रेखांकित किया। उन्होंने इन बच्चों की अद्वितीय प्रतिभा को पहचानने और आवश्यक देखभाल, धैर्य और अनुरूप शिक्षण पद्धतियों के साथ उनका पोषण करने में विशेष शिक्षकों की अपरिहार्य भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक बच्चा वृद्धि और विकास के समान अवसरों का हकदार है।

रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर में निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप आयोजित

जम्मू, 13 दिसंबर (हि.स.)। रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर, रामकृष्ण विहार उधेयवाला, जम्मू में शनिवार को एक निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में हृदय स्वास्थ्य, दंत स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया जिसमें स्थानीय लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। कैंप का नेतृत्व एस्कॉम्स अविघ्ना हार्ट सेंटर के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज गुप्ता ने किया। उनके साथ डेंटिस्ट्री सेवाएं डॉ. राकेश रैना द्वारा प्रदान की गईं। इंदिरा गांधी गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की टीम ने भी सहयोग किया जिसका पर्यवेक्षण विभाग की रजिस्ट्रार डॉ. मनीषा कौल और डॉ. मयंक हाली ने किया।

जनरल मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, डेंटिस्ट्री, गायनेकोलॉजी, ऑप्थल्मोलॉजी और फिजियोथेरेपी सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया। इसके साथ ही ईसीजी, ब्लड शुगर, यूरिक एसिड और न्यूरोपैथी जैसे कई जांच परीक्षण भी मौके पर किए गए। कैंप में आने वाले फास्टिंग मरीजों के लिए कुछ आवश्यक जांचों वाला एक फुल बॉडी चेक-अप पैकेज रियायती दर पर उपलब्ध कराया गया ताकि प्रारंभिक स्तर पर स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान की जा सके। इस अवसर पर एसडीएम मढ़ पल्लवी मिश्रा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े रमन गुप्ता भी उपस्थित रहे। कैंप में कुल 320 मरीजों ने 12 डॉक्टरों की सेवाओं का लाभ उठाया। रामकृष्ण मिशन, जम्मू के सचिव स्वामी यज्ञधरानंद जी ने कहा कि मिशन समाज के जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। यह हेल्थ कैंप सामुदायिक कल्याण और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक प्रयास के रूप में देखा गया।

रियासी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

जम्मू,, 13 दिसंबर (हि.स.)। आज पूरे देश के साथ-साथ जिला रियासी में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर में कुल 16 लोक अदालत बेंचों का गठन किया गया जिनमें लगभग 2463 लंबित मामलों की सुनवाई की गई। मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधान सत्र न्यायाधीश खलील अहमद चौधरी ने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित मामलों का आपसी सहमति के आधार पर त्वरित और सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिकांश मामलों का समाधान उसी दिन कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की रज़ामंदी से फैसले होते हैं जिससे किसी को असंतोष नहीं रहता। वहीं बार एसोसिएशन रियासी के प्रधान पवन देव सिंह ने लोक अदालत को आम जनता के लिए बेहद लाभकारी बताया और कहा कि इससे समय, धन और मानसिक तनाव तीनों की बचत होती है। लोक अदालत के माध्यम से बिना अतिरिक्त खर्च के न्याय शीघ्र और सुलभ रूप से मिलता है, जिससे न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा और मजबूत होता है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER RAVI CANAL CONSTRUCTION UPPER DIVISION KATHUA.

Corrigendum No 2 of e-NIT No 04 of 2024-25

Subject:- Change in Time of Completion and pre-bid meeting.
Reference: This office e- NIT NO: 04 of 2024-25 issued vide No;-RCU/939-951 Dated: 10-07-2024.
The Time of Completion of work of e-NIT No 04 of 2024-25 dated: 10-07-2024 are hereby changed as under:

A. 1. Improvement/Restoration of Minor M-2 RD: 6000-9000M, Minor M-3 of D-5 by way of
Silt/Jungle Clearance, Pitching, Grouting and Restoration of falls.
2. Demarcation of D-5 and its network by installation of Burjees.
(i) The two above mentioned works estimate to about 30% of overall BOQ and can be executed without the closure of canal and its time of completion shall be 45 working days from the date of allotment.
(ii) Rest part of work i.e. 70% of overall BOQ can only be executed after the closure of canal and its time of completion shall be 60 working days from the date of closure of canal

B. As no contractor attended the pre-bid meeting on 18-07-2024 at 11:00 AM in the office of Executive Engineer RCC Upper Division Kathua. Hence, pre-bid meeting is rescheduled on 25-07-2024 at 11:00 AM in the office of Executive Engineer RCC Upper Division Kathua.

No:RCU/
Dated:

DIP/J-8996/25
Dtd:13-12-2025

Sd/-
Executive Engineer,
Ravi Canal Const. Upper Divn.,
Kathua

संपादकीय

खतरनाक साबित हो सकते हैं गलत जानकारी और डेटा चोरी

आज टेक्नोलॉजी एक पावरफुल टूल बन गई है, जो देश का भविष्य तय कर सकती है, इसलिए यह ज़रूरी हो जाता है कि सरकार हर मुमकिन तरीके से देश के हितों की रक्षा के लिए नज़र रखे और सभी सावधानियां बरते। साइबर अटैक, डिजिटल जासूसी, गलत जानकारी और डेटा चोरी खतरनाक साबित हो सकते हैं, इसलिए बिना किसी छूट के इन सभी संभावनाओं को रोकने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए। हालांकि यह काम बहुत मुश्किल है, लेकिन सरकार के पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है, इसलिए यह ज़रूरी हो जाता है कि देश विरोधी तत्वों को VPN, गुमनाम कम्युनिकेशन चैनल और नकली या बिना वेरिफाइड सोशल-मीडिया पहचान जैसे डिजिटल टूल का इस्तेमाल करके प्रोपेगैंडा फैलाने, फाइनेंशियल फ्रॉड करने, गैर-कानूनी कामों में तालमेल बिठाने और देश की सुरक्षा से समझौता करने से रोका जाए। इस संदर्भ में, सरकार द्वारा नेशनल और लोकल लेवल पर उठाए गए कदम समय की ज़रूरत बन गए हैं। केंद्र हाल ही में नए SIM-बाइंडिंग नियम लेकर आया है ताकि भारतीयों के मैसेजिंग ऐप इस्तेमाल करने के तरीके को फिर से लिखा जा सके। इस बारे में जारी ऑर्डर के मुताबिक, अब लोग बिना एक्टिव SIM कार्ड वाले डिवाइस पर WhatsApp, Telegram या Signal जैसे ऐप नहीं चला पाएंगे। हालांकि यह एक सख्त कदम लग सकता है, लेकिन सिक्योरिटी के नज़रिए से, देश के अंदर और बाहर से काम कर रहे एंटी-नेशनल और दुश्मनों से देश की सुरक्षा के लिए ऐसे कदम ज़रूरी हो गए हैं। इसी सिलसिले में, J&K के राजौरी और पुंछ ज़िलों में लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने दो महीने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सर्विस को सस्पेंड करने का ऑर्डर दिया है, क्योंकि एंटी-सोशल एलिमेंट गैर-कानूनी कामों के लिए टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। इसलिए VPN सर्विस के गलत इस्तेमाल को रोकना, सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए एक्टिव और वेरिफाइड SIM-बेस्ड ऑथेंटिकेशन को ज़रूरी बनाना जैसे कदम परेशानी को रोकने में बहुत ज़रूरी हैं। ये उपाय अधिकारियों को व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा पक्का करने में मदद कर सकते हैं, जो आजकल बहुत ज़रूरी हो गया है। बेशक, ऐसे उपाय कभी-कभी आम आदमी को परेशान करते हैं, जिनका कोई शक वाला बैकग्राउंड नहीं होता, लेकिन ये देश को उभरते साइबर खतरों से बचाने और यह पक्का करने के लिए बहुत ज़रूरी हो गए हैं कि टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट का एक टूल बने, न कि एंटी-नेशनल के हाथों में हथियार।

ऊर्जा संरक्षण- आज की आदत, कल का भविष्य

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया।

- योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस' का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था।

दरअसल, दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा।

यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

ऊर्जा अपव्यय कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान' एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन 'ऊर्जा दक्षता ब्यूरो' स्थापित किया गया।

ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में ऊर्जा की बचत कर सकता है। पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है। वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है।

न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा। हालांकि ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गीता : कर्म प्रेरणा का ग्रंथ

हृदयनारायण दीक्षित

गीता एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। इसी माह आगे पीछे एक साथ दो घटनाएं हुईं। एक बार फिर गीता की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि दर्शन है।

प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति को गीता भेंट की है। पुतिन यहां भारत यात्रा पर आए हुए थे। मोदी इसके पहले चीन, अमेरिका, जापान आदि के राष्ट्र प्रमुखों को गीता की प्रति भेंट कर चुके थे। इधर एक मजेदार घटना हुई। कोलकाता में गीता को लेकर विशाल सम्मेलन हुआ। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने गीता को प्रतिष्ठित ग्रंथ घोषित किया था।

गीता कर्म प्रेरणा का ग्रंथ है। गीता विशालकाय महाभारत का हिस्सा है। लेकिन महाभारत के भीष्मपर्व के मूल कथानक से इसकी पर्याप्त संगति है। ऋग्वेद के रचनाकाल के समय से लेकर आज तक समय का बड़ा फासला है। गीता में ऋग्वेद का दर्शन और अनुभूतियाँ हैं। अथर्ववेद का कालसूक्त गीता में भयानक काल होकर प्रकट हुआ है। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा कि, हे भगवान, आप उग्र रूप वाले कौन हैं? कृष्ण ने उत्तर दिया, कालोअस्मि लोकोक्षय प्रवृत्ते-मैं काल हूं और लोकों को समाप्त करने के लिए, प्राण लेने के लिए प्रवृत्त हूं।

गीता में विश्व दर्शन की लगभग सारी अनुभूतियां हैं। महात्मा गांधी गीता पर मोहित थे। उन्होंने अपने अखबार यंग इंडिया में लिखा था, जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है और जब बिल्कुल एकाकी मुझको प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती, तब मैं गीता की शरण लेता हूं। कोई न कोई श्लोक मुझे ऐसा दिखाई पड़ जाता है कि मैं विषम विपत्तियों में भी मुस्कुराने लगता हूं।

मेरा जीवन विपत्तियों से भरा रहा और यदि वे मुझ पर अपना कोई दृश्यमान अमिट चिह्न नहीं छोड़ सके तो इसका श्रेय भगवद्गीता की शिक्षाओं को ही है। गांधीजी की बात भावनात्मक है लेकिन तथ्य भी यही है कि गीता प्रभावित करती है और सुख-दख में समान भाव की दृष्टि का विकास करती है।

प्रसिद्ध यूरोपीय विद्वान एडविन अर्नाल्ड ने गीता पर ग्रंथ लिखा था 'सैलेशियल सॉन्ग'। उसने गीता की व्याख्या करने वाले अनेक पूर्ववर्ती विद्वानों की प्रशंसा की और लिखा कि इस ग्रंथ के अभाव में अंग्रेजी साहित्य अधूरा रह जाता है। बंगाल में सन 1784 में एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना हुई। सोसाइटी की प्रेरणा से चार्ल्स विलकिंस ने गीता का अनुवाद किया। ईस्ट इंडिया कंपनी की मदद से यह अनुवाद लंदन में छपा। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग ने इस कृति की लिखित प्रशंसा की थी।

भारत के राष्ट्रपति रहे प्रख्यात दर्शनशास्त्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। उन्होंने लिखा, भगवद्गीता एक दर्शन ग्रंथ है और एक प्राचीन धर्म ग्रंथ भी है। उन्होंने गीता का भाष्य किया। गीता ने सारी दुनिया को प्रभावित किया। इसका प्रभाव चीन और जापान तक पड़ा। जर्मन धर्म के अधिकृत भाष्यकार जे. डब्लू. होवर ने लिखा, यह सब कालों में सब प्रकार के धार्मिक जीवन के लिए प्रमाणिक है। इसमें इंडो जर्मन धार्मिक इतिहास के महत्वपूर्ण दौर का प्रमाणिक निरूपण है। लोकमान्य तिलक ने भी गीता की व्याख्या की और गीता रहस्य नामक ग्रंथ लिखा। गीता रहस्य में प्रवृत्तिमार्गी दृष्टि है। गीता रहस्य को बहुत प्रतिष्ठित ग्रंथ माना जाता है।

गीता का आनंद किसी भी पृष्ठ से लिया जा सकता है।

विश्व रूप को ही देखिए, संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, रोमांचित विस्मित अर्जुन ने श्रीकृष्ण को प्रणाम किया और कहा मैं आपके शरीर में सभी देवताओं और तमाम जीवों को देख रहा हूं। मैं कमलासीन ब्रह्मा, शिव और सभी ऋषियों को व सर्पों को देख रहा हूं। आपके अनेक हाथ हैं, अनेक मुख हैं और अनेक आंखें हैं।

एक ही केन्द्र पर समूचे ब्रह्माण्ड को देखना बड़ी बात है।

श्रीकृष्ण द्वारा दिखाए गए दिव्यरूप ऋग्वेद के पुरुष से मिलते हैं। ऋग्वेद का पुरुष भी सहस्त्रशीर्षा, सहस्त्र पैरों वाला है। गीता में अर्जुन द्वारा देखे गए विश्वरूप का वर्णन है। अर्जुन इस रूप को देखकर कांप उठा और बोला अनेक मुखों, आंखों, भुजाओं, पैरों, पेटों, बड़े-बड़े दांत वाले इस भयानक रूप को देखकर सब डर गए हैं। अर्जुन ने पूछा, आप कौन हैं? भयानक उग्र रूप वाला तू कौन है? आपको नमस्कार है। मैं जानना चाहता हूं कि तू आदिदेव कौन है? श्रीकृष्ण ने कहा, मैं लोकों का क्षय करने वाला काल हूं।

काल अपना काम करता है। इस मान्यता को नियतिवाद कहते हैं। कर्म से संपन्नता आती है। कर्म से यश मिलता है। कर्म से युद्ध है। युद्ध कर्म से विजय मिलती है। राज्य के सुख मिलते हैं। यह पुरुषार्थवाद कहलाया। पुरुषार्थवादी कर्म पर भरोसा करते हैं और नियतिवाद से इनकार करते हैं। गीता में दोनों हैं। कर्मयोग गीता का केन्द्रीय विचार है। वैदिक काल भी कर्म प्रधान था। ऋग्वेद के एक मंत्र में कहते हैं कि, देवता परिश्रम करने वाले के मित्र बन जाते हैं। आलसी और अकर्मण्य लोगों की सहायता देवता नहीं करते। यही विश्वास भारतीय दर्शन में व उपनिषद् आदि ग्रंथों में उपस्थित है। भारत के दर्शन का आकर्षण सारी दुनिया में है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए इससे बेहतर क्या हो सकता है कि उन्हें सत्कार देने वाला व्यक्ति भारत का प्रधानमंत्री है। गीता की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता वारिस पठान ने कहा है कि अगर मोदी ने गीता की जगह कुरान भेंट की होती तो ज्यादा बेहतर होता। एआईएमआईएम का कुरान भेंट करने का बयान निंदनीय है। कुरान और गीता की तुलना नहीं की जानी चाहिए थी। सत्यनिष्ठ तुलना में मृदु शब्द ही नहीं निकलते। ऐसे बयान देश को कमजोर करते हैं।

दुर्भाग्य से इस्लामी राजनीति में कट्टरपंथ है। उनके यहां कोई कृष्ण नहीं हुआ। इस राजनीति में अलगाववाद है। इस्लामी राजनीतिक चिंतन में दुर्भाग्य से कोई दार्शनिक नहीं हुआ। इसीलिए इस्लाम पर बहस नहीं हो सकती। गीता का जन्म ही कुरुक्षेत्र में दो सेनाओं के मध्य खड़े अर्जुन के विषाद से हुआ। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान, कर्म और भक्ति की धाराएं समझाईं। जीवन को कर्म प्रधान बताया। सब बताने के बाद श्रीकृष्ण ने प्रश्न किया कि, यह सब सुनने के बाद आपका मन कैसा है? अर्जुन ने उत्तर दिया, आपकी कृपा से हमारा मोह नष्ट हो गया-नष्टो मोहा। स्मृति लौट आई-स्मृति लब्धा।

हिन्दुओं पर बहुदेवपूजक होने के आरोप लगाते हैं। हिन्दू बहुदेववादी नहीं एकेश्वरवादी और बहुत देव उपासक हैं। इस आलेख की अंतिम बात, पूरी गीता पढ़ते समय बार-बार ऐसा प्रतीत होता है कि बस अब हो गया लेकिन गीता के अंतिम अंश में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लेख है। दुनिया का कोई भी पंथ, मजहब, रिलिजन ऐसे उपदेश नहीं देता। श्रीकृष्ण कहते हैं, मैंने सभी रहस्यों से बड़े रहस्य वाला ज्ञान बताया है। इस पर गहन विचार करो और जैसी इच्छा हो वैसा करो-यथेच्छसि तथा कुरु।

भारतीय चिंतन और ज्ञान परंपरा में कहीं भी असहमत को पीड़ित करने या मार देने की बात नहीं है। सहमत और असहमत दोनों विकल्प यहां व्यवहारिक रूप में भी सुस्पष्ट हैं। बड़ी बात है कि युद्ध से अलग होने की घोषणा करने वाले अर्जुन से कृष्ण कहते हैं, यथेच्छसि तथा कुरु-जो इच्छा हो सो करो।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

श्रीनिवास रामानुजन- सनातन ज्ञान और विश्लेषणात्मक शोध-केंद्रित मानसिकता के महान गणितज्ञ

-पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

भारत हमारी मातृभूमि थी और संस्कृत यूरोपीय भाषाओं की जननी थी। भारत ने हमारे दर्शन, हमारे गणित के अधिकांश भाग और ईसाई धर्म में प्रतिपादित सिद्धांतों, जैसे स्वशासन और लोकतंत्र को जन्म दिया। अनेक मायनों में भारत माता हमारी माता हैं। -सुप्रसिद्ध अमेरिकी इतिहासकार विल ड्यूरेंट (1885-1981)भारत में गणित की जड़ें वैदिक साहित्य में हैं, जो 4000 वर्ष से भी अधिक पुराना है। 1000 ईसा पूर्व और 1000 ईस्वी के बीच, भारतीय गणितज्ञों ने गणित पर विभिन्न ग्रंथ लिखे, जिन्हें पहली बार प्रस्तुत किया गया। प्राचीन हिंदू गणितज्ञों ने दशमलव प्रणाली, शून्य, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, बीजगणित, अंकगणित, ऋणात्मक संख्याएँ, घात, वर्गमूल और द्विघात समीकरण सहित कई अवधारणाओं का आविष्कार और विकास किया। वे यूरोप सहित दुनिया के लगभग हर कोने के गणितज्ञों से काफी आगे थे। श्रीनिवास रामानुजन, जो एक धर्मनिष्ठ हिंदू थे, ऐसे ही एक असाधारण गणितज्ञ थे।

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920), इतिहास के महानतम गणितज्ञों में से एक, ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, सतत भिन्न, संख्या सिद्धांत और खेल सिद्धांत जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान से बीसवीं शताब्दी के गणित को नया रूप दिया। रामानुजन का निधन महज 32 वर्ष की आयु में हो गया, फिर भी उन्होंने अपने जीवनकाल में गणित में इतना विशाल योगदान दिया जिसकी बराबरी कुछ ही लोग कर पाए। आश्चर्यजनक रूप से, उन्होंने कभी भी गणित की कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की। उनके अधिकांश गणितीय निष्कर्ष केवल अंतर्ज्ञान पर आधारित थे और अंततः सही साबित हुए। एक साधारण और कभी-कभी कठिन जीवन के साथ, उनका व्यक्तिगत जीवन उनके महान कार्यों जितना ही आकर्षक है। हर साल 22 दिसंबर को रामानुजन की जयंती राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाई जाती है।

भारत के तमिलनाडु के इरोड में जन्मे रामानुजन ने कम उम्र में ही गणित का असाधारण सहज ज्ञान दिखाया। रामानुजन गणित के क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा के धनी थे, लेकिन उनका जीवन सुगम नहीं रहा। 1904 में उन्हें कॉलेज छात्रवृत्ति मिली लेकिन गैर-गणितीय विषयों में खराब प्रदर्शन के कारण वे इसे जल्द ही खो बैठे। 1911 में श्रीनिवास रामानुजन ने अपने गणितीय सिद्धांतों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अपना पहला लेख लिखा। कैम्ब्रिज में उनके मार्गदर्शक रहे प्रसिद्ध ब्रिटिश गणितज्ञ जी.एच. हार्डी ने उन्हें अपने शोधों को कई शोध पत्रों में प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया। 1918 में रामानुजन रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में शामिल होने वाले दूसरे भारतीय थे।

रामानुजन की उपलब्धियों में भव्यता, गहनता और आश्चर्य का अद्भुत संगम था। दुख की बात है कि 1918 में रामानुजन अस्वस्थ हो गए। भारत लौटने से पहले उन्होंने एक वर्ष से अधिक समय तक वहीं स्वास्थ्य लाभ किया। इसके बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया और 26 अप्रैल, 1920 को उनका निधन हो गया। जैसा कि अनुमान लगाया जा सकता है, एक मरणासन्न व्यक्ति अपना काम रोक देता है और अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा करता है। फिर भी, रामानुजन ने अपने अंतिम वर्ष के दौरान गणित के क्षेत्र में कुछ सबसे अंतर्दृष्टिपूर्ण रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

एक सदी से अधिक समय बीत जाने के बावजूद, उनकी गणितीय खोजें आज भी प्रासंगिक बनी हुई हैं। रामानुजन न केवल एक गणितज्ञ के रूप में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि मानव मन की क्षमताओं के बारे में उनकी अंतर्दृष्टि के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। हम रामानुजन जैसी प्रतिभा को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते, क्योंकि वे बहुत ही दुर्लभ और मूल्यवान होते हैं। दुनिया में कहीं भी कोई भी प्रतिभावान व्यक्ति उभर सकता है। हम भाग्यशाली हैं कि वे हममें से एक थे। दुर्भाग्य से, हममें से अधिकांश लोग रामानुजन के जीवन और कार्यों के बारे में बहुत कम जानते हैं, जबकि उनका कार्य गूढ़ है।

गणित के इतिहास में एक विलक्षण व्यक्ति, श्रीनिवास रामानुजन मानव मन की अद्भुत शक्ति का प्रतीक हैं। रामानुजन के दृष्टिकोण में गणितीय कौशल, आत्मनिरीक्षण और सनातन धर्म की आध्यात्मिक समझ का कुशल मिश्रण था। गणित की आध्यात्मिक उपमाओं के रूप में उनकी मौलिक व्याख्या और समीकरणों के प्रति उनके दार्शनिक दृष्टिकोण ने गणित और आध्यात्मिकता के बीच संबंध को उजागर किया। हिंदू वैदिक ज्ञान का उपयोग करते हुए, रामानुजन के वैचारिक ब्रह्मांड की गहराई और जिस तरह से उन्होंने गणितीय चिंतन में मेटाकॉग्निशन के महत्व को दर्शाया, वह सराहनीय है।

रामानुजन का जीवन और कार्य ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने के लिए समर्पित एक व्यक्ति का आकर्षक चित्र प्रस्तुत करता है, क्योंकि इसमें गणितीय क्षमता और आध्यात्मिक गहराई का दुर्लभ संयोजन देखने को मिलता है। उनके शोध में गणित, आध्यात्मिकता और दुनिया के जटिल जाल की गहरी समझ निहित है, और यह मानव मन की असीम क्षमता का प्रमाण है जब वह संज्ञानात्मक सीमाओं से परे जाने का साहस करता है।

रामानुजन ने बाद में कहा कि शून्य, ऐसा प्रतीत होता था, परम वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करता है। अनंत, या ∞, उस वास्तविकता की विभिन्न अभिव्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। उनका गणितीय परिणाम, ∞=0, एक संख्या नहीं, बल्कि सभी संख्याएँ थीं, जिनमें से प्रत्येक सृजन की व्यक्तिगत क्रियाओं के समतुल्य थी। यह शून्य को शून्य से भाग देने के प्रति उनके बचपन के आकर्षण को प्रतिध्वनित करता है।

गणित के प्रति रामानुजन का दृष्टिकोण अपरंपरागत था। रामानुजन ने परस्पर संबंध को स्वीकार किया, जबकि अधिकांश गणितज्ञ व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ को अलग करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने गणित को केवल भौतिक ब्रह्मांड को समझने के एक उपकरण के रूप में ही नहीं, बल्कि दिव्य ज्ञान को प्रकट करने में सक्षम भाषा के रूप में भी माना। इस विश्वदृष्टि ने उन्हें संख्याओं और समीकरणों में अंतर्निहित आध्यात्मिकता को देखने में सक्षम बनाया, जिससे वे गहन दार्शनिक अर्थ से परिपूर्ण हो गए।

रामानुजन की विश्वदृष्टि में निर्जीव गणितीय सूत्र एक आध्यात्मिक प्रतिध्वनि ग्रहण करते हैं और ईश्वर की अभिव्यक्ति बन जाते हैं। आध्यात्मिक और गणितीय का उनका एकीकरण हमें इस विश्वास पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य करता है कि गणित केवल एक निष्फल, निष्पक्ष क्षेत्र है। यह उन्हें एक पवित्र भाषा के रूप में दिखाई देता है जो अवर्णनीय को व्यक्त कर सकती है, एक ऐसे ब्रह्मांड को दर्शाती है जो संख्याओं की पवित्रता में गहराई से निहित है।

गणितीय खोज के प्रति रामानुजन का दृष्टिकोण अंतर्ज्ञान की शक्ति और ज्ञान के एक अक्सर अनदेखे स्रोत के रूप में सपनों की क्षमता को दर्शाता है। यह अवचेतन मन को रचनात्मकता और अन्वेषण के स्रोत के रूप में रेखांकित करता है और उन असीम संभावनाओं की पुष्टि करता है जो तब उभर सकती हैं जब हम सोचने के अंतर्निहित तरीकों से परे जाने का साहस करते हैं। विशिष्ट होने के बावजूद, उनकी विधियाँ उन विभिन्न तरीकों को उजागर करती हैं जिनसे मानव मन गणितीय ज्ञान के कठिन क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है।रामानुजन की गहन आध्यात्मिकता और गणितीय दर्शन आपस में गहराई से जुड़े हुए थे, जिससे उन्हें दुनिया के प्रति एक विशिष्ट दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। उनका यह कथन, मेरे लिए एक समीकरण का कोई अर्थ नहीं है जब तक कि वह ईश्वर के विचार को व्यक्त न करे, इसका एक उदाहरण है। गणित के प्रति रामानुजन का दृष्टिकोण, जिसमें इस कथन में यह बात झलकती है कि दैवीय और संख्याएँ सह-अस्तित्व में हैं और एक-दूसरे को प्रकाशित करती हैं। यह कथन मात्र आस्था का कथन नहीं है, बल्कि इससे कहीं अधिक है।

रामानुजन गणितीय कठिनाइयों को उस श्रद्धा और सम्मान के साथ समझने में सक्षम थे जो आमतौर पर आध्यात्मिक खोज से जुड़ा होता है, क्योंकि वे गणित को दैवीय ज्ञान का मूर्त रूप मानते थे। यह दृष्टिकोण उनके गणितीय प्रयासों में बाधा डालने के बजाय, उनकी प्रतिभा को प्रेरित करता प्रतीत हुआ, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी खोजें और अंतर्दृष्टि प्राप्त हुईं जो अपने समय से कहीं आगे थीं। श्रीनिवास रामानुजन की अंतर्दृष्टि की उल्लेखनीय गहराई और उनकी नवोन्मेषी गणितीय तकनीकों का उपयोग आधुनिक भौतिकी में, विशेष रूप से स्ट्रिंग सिद्धांत और ब्लैक होल भौतिकी जैसे क्षेत्रों में किया गया है, हालाँकि उनका गणित प्रारंभ में मुख्य रूप से संख्या सिद्धांत और विश्लेषण जैसे शुद्ध गणितीय क्षेत्रों में ही उपयोग किया जाता था। उन्होंने दिखाया कि आध्यात्मिक और विश्लेषणात्मक, तार्किक और सहज ज्ञान के बीच पारंपरिक विभाजन को पार करना संभव है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि ऐसा बौद्धिक संलयन संभव है और आध्यात्मिक और विश्लेषणात्मक का संयोजन आश्चर्यजनक खोजों और अंतर्दृष्टि को जन्म दे सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बहरीन के तेज गेंदबाज अली दाऊद का टी20आई में ऐतिहासिक प्रदर्शन, रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ नाम

एजेंसी

नई दिल्ली : बहरीन के तेज गेंदबाज अली दाऊद ने भूटान के खिलाफ पुरुषों के टी20आई इतिहास में दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7-19 विकेट लेकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। 33 साल के इस तेज गेंदबाज ने मलेशिया के स्यालकल इदरस के बाद टी20आई में 7 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनकी कोशिशों ने गेलेफू में भूटान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और पांच मैचों की सीरीज के तीसरे मैच में बहरीन को 35 रन से जीत दिलाई। तीसरे ओवर में आए दाऊद ने 2 विकेट लिए जिससे मेजबान टीम 11/3 पर लड़खड़ा रही थी फिर देर से लौटे और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। पाकिस्तान के सियालकोट में पैदा हुए दाऊद ने 16वें ओवर में तीन विकेट और अगले ओवर में दो और विकेट लेकर 7-19 का स्कोर बनाया। चौथे विकेट के लिए 67 रन की पार्टनरशिप के बावजूद भूटान 125 रन पर आउट हो गया, जिससे बहरीन जिसने 160/4 बनाए थे, को पांच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़त मिल गई। दाऊद अब तेज गेंदबाज इदरस से पीछे हैं, जिन्होंने 2023 में बायूमास ओवल में ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप एशिया B क्वालिफायर मैच के दौरान चीन के खिलाफ शानदार 7-8 विकेट लिए थे। इत्तेफाक से उनके सभी 7 विकेट बोल्ड आउट हुए थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का बड़ा बयानः ओपनिंग में इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए मौका

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए दूसरे टी20 मैच में हार के बाद टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन और टॉप ऑर्डर संयोजन पर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। खास तौर पर शुभमन गिल के गोल्डन डक पर आउट होने के बाद चयन नीति चर्चा का केंद्र बन गई। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने खुलकर संजू सैमसन को लगातार नजरअंदाज किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उथप्पा का मानना है कि मौजूदा फॉर्म और आंकड़ों को देखते हुए संजू को मौके न मिलना हैरान करने वाला है, खासकर जब 2026 टी20 वर्ल्ड कप अब ज्यादा दूर नहीं है।

टॉप ऑर्डर की नाकामी ने बढ़ाई चिंता

दूसरे टी20 मैच में भारत का टॉप ऑर्डर पूरी तरह बिखर गया। ओपनिंग करते हुए शुभमन गिल पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। यह उनके लिए टी20 फॉर्मेट में हालिया संघर्ष की एक और कड़ी साबित हुई। गिल की इस नाकामी के बाद टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि लगातार मौके मिलने के बावजूद वह प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

क्रिकेट जगत में हड़कंप! 4 भारतीय खिलाड़ियों पर मैच फिक्सिंग का आरोप, बोर्ड ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक बार फिर ईमानदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के दौरान सामने आए एक गंभीर मामले में असम क्रिकेट एसोसिएशन ने सख्त कदम उठाते हुए चार खिलाड़ियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई है, जिसने टूर्नामेंट की निष्पक्षता पर गहरी चिंता पैदा कर दी है।

चार खिलाड़ियों पर गिरी गाज

निलंबन की कार्रवाई जिन खिलाड़ियों पर हुई है, उनमें ईशान अहमद, अमन त्रिपाठी, अमित सिन्हा और अभिषेक ठाकुर शामिल हैं। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने असम टीम से जुड़े खिलाड़ियों को प्रभावित करने और उन्हें गलत दिशा में उकसाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, 26 नवंबर से 8 दिसंबर के बीच खेले गए मुकाबलों के दौरान इन चारों की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। जैसे ही यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आया, असम क्रिकेट एसोसिएशन ने बिना देरी किए अनुशासनात्मक कदम उठाया। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण का खुलासा बीसीसीआई की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट की जांच के बाद हुआ।

न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर जीत से भारत को लगा झटका, WTC तालिका में पाकिस्तान से भी नीचे खिसका

दुबई : वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की 9 विकेट की जीत के बाद भारतीय टीम को झटका लगा है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में टॉप 5 से बाहर हो गया है। टीम इंडिया एक स्थान फिसल कर छठे पायदान पर पहुंच गई। इस शानदार जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआती दो चक्र की उपविजेता रही भारतीय टीम को पिछले महीने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करने के बाद बड़ा खामियाजा उठाना पड़ा था। टीम तब तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गई थी जबकि उस समय न्यूजीलैंड छठे स्थान पर था। बेसिन रिवर्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की बड़ी जीत के बाद तालिका में उलटफेर देखने को मिला। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों (जीत-हार प्रतिशत) के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका (66.67) संयुक्त तीसरे जबकि पाकिस्तान (50) पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक 66.67 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं।

कोलकाता में मेसी के फैंस का हंगामा, स्टेडियम से जल्दी जाने पर भड़के, कुर्सियां और बोतलें फेंकीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लियोनल मेसी ल.ह्न.ज्ञ दौरे पर भारत पहुंच चुके हैं। आज वह कोलकाता पहुंचे और सॉल्ट लेक स्टेडियम का दौरा किया। लैप ऑफ ऑनर के बाद वह स्टेडियम से जल्दी निकल गए। इसके बाद सॉल्ट लेक स्टेडियम में मौजूद फैंस ने जमकर हंगामा किया है। उन्होंने कुर्सियां और बोतलें फेंकीं हैं। इसका वीडियो सामने आया है। मेसी को देखने के लिए हजारों की संख्या में फैंस पहुंचे थे। सबसे बड़ी बात कि उन्होंने टिकट के लिए भारी कीमत भी चुकाई थी। ऐसे में उनके जल्दी स्टेडियम से जाने से फैंस भड़क गए। गुस्साए फैंस की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। एक प्रशंसक का कहना है, 'बेहद निराशाजनक घटना। वे सिर्फ 10 मिनट के लिए आए। सभी नेता और मंत्री उनके चारों ओर जमा थे। हम कुछ भी नहीं देख पाए। उन्होंने एक भी किक या पेनल्टी नहीं ली। उन्होंने

कहा था कि वे शाहरुख खान को भी लाएंगे। लेकिन वे किसी को नहीं लाए। वे 10 मिनट आए और चले गए। इतना पैसा, भावनाएं और समय बर्बाद हो गया। हम कुछ भी नहीं देख पाए...।' वहीं, दूसरे फैन ने कहा, 'मेसी के चारों ओर सिर्फ नेता और अभिनेता ही थे...तो फिर उन्होंने हमें क्यों बुलाया... हमें 12 हजार का टिकट मिला था, लेकिन हम उनका चेहरा तक नहीं देख पाए...।' मेसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो चुके हैं। अब वह हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। मेसी को हैदराबाद में एक एग्जीबिशन मैच में भी हिस्सा लेना है। हालांकि, इस पूरे हंगामा से प्रशासन और आयोजकों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। महंगे टिकट के बावजूद फैंस मेसी को 10 मिनट देख पाए, जबकि उनका कार्यक्रम डेढ़ बजे से शुरू होना था। फैंस ने स्टेडियम में तोड़फोड़ भी की। टेंट भी गिराए। हजारों की संख्या में फैंस स्टेडियम में जमा हुए थे। मेसी के साथ उरुग्वे के दिग्गज फुटबॉलर लुईस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल भी मौजूद थे। तीनों अब हैदराबाद के लिए रवाना हो चुके हैं। मेसी के एक प्रशंसक का कहना है, 'हम बहुत निराश हैं... मेरा बच्चा में को देखने के लिए बहुत उत्साहित था... मुझे लगता है कि यह लोगों के साथ धोखा है। जब मेसी आए, तो सभी ने उन्हें घेर लिया...।'

अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी नैना यादव अपने घर वाराणसी पहुंचीं, पिता करते हैं राजगीर का काम

एजेंसी

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी नैना यादव अपने घर वाराणसी पहुंचीं, जहां ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नैना ने वर्ष 2025 में उज़्बेकिस्तान, चीन, बहरीन और थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया। नैना यादव उत्तर प्रदेश की पहली महिला हैंडबॉल खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक ही वर्ष में चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल खेल जगत, बल्कि पूरे प्रदेश को गर्व महसूस कराया है। नैना वाराणसी के भवानीपुर गांव की निवासी हैं। उनके पिता राम जी यादव पेशे से राजगीर हैं। साधारण परिवार से आने वाली नैना की मेहनत, संघर्ष और प्रतिभा ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों में भी नया उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ है।

अंतरमंडलीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट : सेमीफइनल में आरपीएफ शाखा व ऑपरेटिंग की टीमें जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। अंतरमंडलीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत आज रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद सेमीफाइनल क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। प्रथम पाली का सेमीफाइनल मैच इंजीनियरिंग एवं आरपीएफ के मध्य एवं द्वितीय पाली का सेमीफाइनल मैच कामर्शियल एवं ऑपरेटिंग शाखा के मध्य खेला गया। आरपीएफ शाखा टीम व ऑपरेटिंग की टीम ने जीत हासिल की। रेलवे स्टेडियम मुरादाबाद में खेले जा रहे अंतर्विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत आज प्रथम पाली का सेमीफाइनल मैच की पहली पाली में आरपीएफ की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का निश्चय किया। बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरी इंजीनियरिंग शाखा की टीम ने 19.3 ओवर में पूरे 10 विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। आरपीएफ शाखा की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.3 ओवर में मात्र 04 विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाते हुए 07 विकेट से इंजीनियरिंग शाखा की टीम को मैच में मात दी। आरपीएफ शाखा की टीम के अंकुर त्यागी 'मैन ऑफ द मैच' रहे, जिन्होंने बैटिंग करते हुए अपनी टीम

के लिए 55 बॉल पर 06 चौक्कों की सहायता से 52 का योगदान दिया तथा अंकुर त्यागी ने बॉलिंग में 04 ओवर में 23 रन देकर विपक्षी टीम के 02 विकेट लिये ह्ल द्वितीय पाली का सेमीफाइनल मैच कामर्शियल एवं ऑपरेटिंग शाखा के मध्य खेला गया। ऑपरेटिंग शाखा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निश्चय किया। पहले बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरी कमर्शियल की टीम ने पूरे 20 ओवर खेलते हुए 08 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाये ह्ल लक्ष्य का पीछा करने बैटिंग के लिए मैदान में उतरी ऑपरेटिंग की टीम ने मात्र 14.3 ओवर में 03 विकेट के नुकसान पर 140 बनाकर 08 विकेट से मैच में विजय प्राप्त की ह्ल ऑपरेटिंग शाखा की टीम के महेंद्र 'मैन ऑफ द मैच' रहे , जिन्होंने 28 बॉल में 07 चौक्कों एवं 01 छक्के की मदद से 50 रन बनाये ह्ल महेंद्र ने बॉलिंग में 04 ओवर में 17 रन देकर विपक्षी टीम के 02 विकेट लिये।

सचिवालय ए और पैंथर्स शानदार प्रदर्शन करके मोनाल कप 2025 के फाइनल में

एजेंसी

देहरादून। मोनाल कप 2025 के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में सचिवालय ए और सचिवालय पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दोनों मैच महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए।

सेमीफाइनल-1: सचिवालय ए की 5 विकेट से जीत

पहले सेमीफाइनल में सचिवालय डेंजर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 135 रनों का स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से नूर ने 34 और मनोज बिष्ट ने 29 रन का योगदान दिया। सचिवालय ए की ओर से आशुतोष विमल सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए सचिवालय ए ने संतुलित बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 17.3 ओवर में 5 विकेट खोकर मैच अपने नाम कर लिया। हरीश सैनी और राहुल जेटली ने 37-37 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। सचिवालय डेंजर के अमित तोमर को 2 विकेट मिले। उत्कृष्ट ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए आशुतोष विमल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

सेमीफाइनल-2: पैंथर्स की 6 विकेट से आसान जीत

दूसरे सेमीफाइनल में सचिवालय वॉरियर्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 88 रनों पर सिमट गई। राजीव तड़ियाल ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। पैंथर्स के जितेंद्र सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। लक्ष्य का

पीछा करते हुए पैंथर्स ने आक्रामक शुरुआत की और मात्र 9 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। टीम के लिए प्रमोद नेगी ने 50 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। रोहन सैनी ने वॉरियर्स की ओर से 2 विकेट लिए। धुआंधार बल्लेबाजी के लिए प्रमोद नेगी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

फाइनल मुकाबला रविवार को

मोनाल कप 2025 का फाइनल मुकाबला सचिवालय ए बनाम सचिवालय पैंथर्स के बीच रविवार को खेला जाएगा, जिसमें दोनों टीमें खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

बॉर्नमाउथ के खिलाफ मुकाबले से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड को म्ब्यूमो, माज़राउई और डायलो की उपलब्धता का इंतजार

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम ने कहा कि उनकी टीम कई संभावित हालात के लिए तैयारी कर रही है, क्योंकि क्लब को अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रायन म्ब्यूमो, नूसैर माज़राउई और अमाद डायलो सोमवार को बॉर्नमाउथ के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। ये तीनों खिलाड़ी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में हिस्सा लेने के लिए अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीमों से जुड़ने वाले हैं। यह टूर्नामेंट 21 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलेगा। म्ब्यूमो कैमरून, माज़राउई मोरक्को और डायलो आइवरी कोस्ट की ओर से खेलते हैं। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए खिलाड़ियों की अनिवार्य रिलीज़ तारीख सोमवार है, जिसके चलते यूनाइटेड इस बात को लेकर असमंजस में है कि क्या ये खिलाड़ी मैच खेलने के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए रवाना होंगे या उससे पहले ही क्लब छोड़ देंगे। मैच से पहले मीडिया से बात करते हुए अमोरिम ने कहा, 'हम अभी भी राष्ट्रीय टीमों के साथ बातचीत कर

रहे हैं। मैच सोमवार को है, खिलाड़ी यहां हैं, ट्रेनिंग कर रहे हैं और हम हर स्थिति के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन साथ ही कोई नहीं जानता कि कौन खेलेगा, जो अपने आप में एक अच्छी बात है। हमारे पास हर स्थिति से निपटने के लिए खिलाड़ी मौजूद हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'हर राष्ट्रीय टीम की अपनी रणनीति होती है कि वे खिलाड़ियों को कब बुलाना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि आज या कल तक फैसला हो जाएगा, लेकिन हम आखिरी पल तक इंतजार करेंगे ताकि सबसे बेहतर टीम का चयन कर सकें। ' इसी बीच चोटों ने भी यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डिफेंडर हैरी मैगुइर और मैथिज़ डे लिग्ट अभी भी चोट के चलते बाहर हैं, जबकि स्ट्राइकर बेंजामिन शेश्को की उपलब्धता पर भी सवाल बना हुआ है। 22 वर्षीय स्लोवेनियाई स्ट्राइकर शेश्को, जिन्हें क्लब ने इस सीजन 76.5 मिलियन यूरो में साइन किया था, नवंबर में टोटेनहम के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हुए मुकाबले में घुटने में चोट लगने के बाद से पिछले चार मैच नहीं खेल पाए हैं। अमोरिम ने बताया, 'हमें देखना होगा कि शेश्को उपलब्ध होते हैं या नहीं। उन्हें फूड पॉइज़निंग भी हुई है, लेकिन अभी दो ट्रेनिंग सेशन बाकी हैं। ' फिलहाल मैनचेस्टर यूनाइटेड 15 मैचों में 25 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है, जबकि एंडोनी इराओला की बॉर्नमाउथ टीम 20 अंकों के साथ 13वें स्थान पर मौजूद है।

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने दक्षिण अफ्रीका के सीनियर स्पिनर को दी कप्तानी, SA20 में बिखेगें जलवा

एजेंसी

जोहानिसबर्ग : दक्षिण अफ्रीका के सीनियर स्पिनर केशव महाराज आगामी ल्ल20 क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रिटोरिया कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे। आयोजकों ने इसकी घोषणा की। महाराज सीमित ओवरों की क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने अब तक 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 38 विकेट दर्ज हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने एसए20 में 33 मैचों में 7.3 की इकॉनमी रेट से 27 विकेट लिए हैं। एसए20 ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के सबसे

अनुभवी खिलाड़ियों में से एक महाराज खेल के विभिन्न प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक अनुभव रखते हैं। इसके साथ ही संयम, स्पष्टता और दृढ़ संकल्प के साथ टीमों का नेतृत्व करने का उनका शानदार रिकार्ड रहा है।' विज्ञप्ति में कहा गया है, 'उनकी उपस्थिति से प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम को नए सत्र से पहले आवश्यक संतुलन और दिशा मिलती है।' कैपिटल्स की नजरें एसए20 में अपने पहले खिताब पर टिकी हैं। वह 2023 में फाइनल में सनराइजर्स ईस्टर्न केप से हार गया था।

फेडरर की शानदार वापसी, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के उद्घाटन समारोह में दिखेगा जलवा

एजेंसी

मेलबर्न। स्विट्ज़रलैंड के टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर जनवरी 2026 में एक बार फिर अपने 'हैप्पी स्लैम' की ओर लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन आयोजकों ने घोषणा की कि फेडरर टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन के लिए होने वाले 'बैटल ऑफ द वर्ल्ड नंबर 1ह्य' इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे।

रिटायरमेंट के बाद पहली बार वे 2022 के बाद रॉड लेवर एरीना में नजर आएंगे। मेलबर्न पार्क में पहली बार आयोजित किया जा रहा यह विशेष ओपनिंग सेरेमनी 18 जनवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से एक दिन पहले होगी। इसमें फेडरर को विशेष सम्मान भी दिया जाएगा। फेडरर छह बार नॉर्मन ब्रूक्स ट्रॉफी जीत चुके हैं और उनके नाम कुल

20 ग्रैंड स्लैम खिताब दर्ज हैं। इस खास मुकाबले में फेडरर के साथ चार बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आंद्रे अगासी, ऑस्ट्रेलिया के पैट राफ्टर और लेटन हेविट भी कोर्ट पर उतरेंगे। फेडरर ने कहा, 'काफी समय पहले मैंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को 'हैप्पी स्लैम' कहा था, और आज भी इस नाम को याद करके मुस्कान आ जाती है।

मैंने रॉड लेवर एरीना पर कई तरह की भावनाएँ महसूस की हैं—छह बार 'नॉर्मन' उठाने की खुशी, खुद रॉड लेवर के सामने खेलने का सम्मान, दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ संघर्ष और ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों का अपार प्यार।' फेडरर ने कहा कि 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना उनके करियर का सबसे खास पलों में से एक है और 2018 में इसे दोहराना 'सपने जैसा' था। इसके अलावा उन्होंने 2004, 2006, 2007 और 2010 में भी यह खिताब जीता था।

गूगल ट्रेंड में छाने पर वैभव सूर्यवंशी का सधा हुआ रिएक्शन, कह दी दिल छू लेने वाली बात

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट को 14 साल की उम्र में एक नया चमकता सितारा मिल गया है। अंडर-19 एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले वैभव सूर्यवंशी इन दिनों न सिर्फ अपने खेल, बल्कि लोकप्रियता को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में वह साल 2025 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीय क्रिकेटर बन गए, जहां उन्होंने विराट कोहली जैसे दिग्गज को भी पीछे छोड़ दिया। अब इस उपलब्धि पर खुद वैभव ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। अंडर-19 एशिया कप में यूएई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने यादगार पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 95 गेंदों में 171 रन ठोक दिए, जिसमें 9 चौके और 14 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 433/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया और मुकाबला 234 रनों से अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए वैभव को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। IPL 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया। इसी का असर गूगल सर्च ट्रेंड्स पर भी देखने को मिला, जहां वह 2025 में सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीय खेल सितारे बन गए। इस लिस्ट में उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। मैच के बाद जब वैभव से इस उपलब्धि को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बेहद संतुलित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मैं इन चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। मेरा फोकस सिर्फ अपने खेल पर रहता है। हां, ऐसी खबरें सुनने को मिलती हैं और अच्छा लगता है, लेकिन फिर आगे बढ़ जाता हूं।' उनके इस बयान से उनकी सोच और परिपक्वता साफ झलकती है। वैभव सूर्यवंशी की 171 रनों की पारी ने कई रिकॉर्ड तोड़े। उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों में शतक पूरा किया और 84 गेंदों में 150 रन के आंकड़े को छू लिया। 180 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी यूथ वनडे में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उनसे आगे सिर्फ अंबाती रायुडू हैं, जिन्होंने 2002 में इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ 177* रन बनाए थे। इसके अलावा वैभव अंडर-19 एशिया कप में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए हैं।

समीर मिन्हास और अहमद हुसैन के शतक, पाकिस्तान की 297 रनों से रिकॉर्ड जीत

एजेंसी

दुबई : समीर मिन्हास (नाबाद 177) और अहमद हुसैन (132) की शतकीय पारियों के बाद अली रजा और मोहम्मद सय्याम (तीन-तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में मलेशिया को रिकाड '297 रनों से रौंद कर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। आज यहां मलेशिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 30 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। उस्मान खान (एक) और अली हसन बलोच (14) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद समीर मिन्हास और अहमद हुसैन की जोड़ी ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 293 रनों की साझेदारी की। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किए। 49वें ओवर में मुहम्मद अकरम ने अहमद हुसैन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। अहमद हुसैन ने 114 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 132 रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में तीन विकेट पर 345 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। समीर मिन्हास 148 गेंदों में 11 चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 177 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया को पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 19.4 ओवरों में 48 रन पर ढेर कर मुकाबला 297 रनों से जीत लिया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: भारतीय फैंस को बड़ी राहत, इन प्लेटफॉर्म्स पर तय हुआ लाइव प्रसारण

एजेंसी

नई दिल्ली : टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले मीडिया राइट्स को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर अब विराम लग गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) और ब्रॉडकास्टर JioHotstar ने संयुक्त बयान जारी कर साफ कर दिया है कि भारत में उनके बीच मीडिया राइट्स को लेकर की गई साझेदारी पूरी तरह बरकरार है।

दोनों संस्थाओं ने उन खबरों को गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि JioHotstar भारी आर्थिक नुकसान के कारण इस डील से बाहर निकलना चाहता है।

अफवाहों पर ICC और JioHotstar की सफाई

हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि चार साल की डील के बचे हुए दो वर्षों से JioHotstar हट सकता है, जिससे टी20 वर्ल्ड कप 2026 के प्रसारण पर संकट खड़ा हो सकता है। इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ICC और JioHotstar ने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी तरह की बात सच्चाई से दूर है। संयुक्त बयान में कहा गया कि मीडिया में आई

रिपोर्ट्स दोनों संगठनों की मौजूदा स्थिति को नहीं दर्शातीं और मौजूदा समझौता पूरी तरह प्रभावी है।

भारत में JioHotstar ही करेगा प्रसारण

ICC और JioHotstarने यह भी दोहराया कि भारत में ICC इवेंट्स के आधिकारिक मीडिया राइट्स पार्टनर के तौर पर JioHotstar की भूमिका जारी रहेगी। इसमें 2026 का पुरुष टी20 वर्ल्ड कप भी शामिल है, जिसे देशभर में Star Sports और JioHotstar प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा। बयान में साफ कहा गया कि किसी भी स्तर पर साझेदारी खत्म करने का सवाल ही नहीं उठता।

फैंस और विज्ञापनदाताओं को राहत

संयुक्त बयान में यह भी कहा गया कि भविष्य के सभी ICC टूर्नामेंट्स की तैयारियां तय योजना के मुताबिक चल रही हैं। इसका दर्शकों, विज्ञापनदाताओं या इंडस्ट्री पार्टनर्स पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। ICC और JioHotstar ने भरोसा दिलाया कि उनका फोकस भारत में क्रिकेट के विकास और दर्शकों तक विश्वस्तरीय कवरेज पहुंचाने पर है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत का शेड्यूल

7 फरवरीः भारत 1s अमेरिका - मुंबई

12 फरवरीः भारत 1s नामीबिया - दिल्ली

15 फरवरीः भारत 1s पाकिस्तान - कोलंबो

18 फरवरीः भारत 1s नीदरलैंड्स - अहमदाबाद

टी20 वर्ल्ड कप से पहले ICC और JioHotstar का यह बयान फैंस के लिए बड़ी राहत लेकर आया है और साफ संकेत देता है कि भारत में क्रिकेट प्रेमियों को बिना किसी रुकावट के टूर्नामेंट का लाइव आनंद मिलेगा।

वस्त्र मंत्रालय चौपाल कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने हस्तशिल्प परंपराओं के बारे में जागरूकता, उद्यमिता निर्माण और मजबूत हस्तशिल्प समूहों के गठन को सुगम बनाने के उद्देश्य से देश भर में चलाये जाने वाले अपने चौपाल कार्यक्रम का राजधानी में शुभारंभ किया। वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव की उपस्थिति में चौपाल कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह समारोह के अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शमी राव के साथ मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न राज्यों के नोडल अधिकारी और हस्तशिल्प क्षेत्र के हितधारक उपस्थित थे। सुधार, प्रदर्शन, रूपांतरण और सूचना के मूलमंत्र से प्रेरित इस कार्यक्रम के तहत 100 हस्तशिल्प आकांक्षी जिलों में कारीगरों के नामांकन, योजना के बारे में जागरूकता, कौशल विकास और उद्यमिता विकास के लिए जिला स्तर पर स्थायी चौपाल स्थापित किए जाएंगे। वस्त्र सचिव ने भारत के जीवंत हस्तशिल्प पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि चौपाल कार्यक्रम शिल्प के प्रति जागरूकता बढ़ाने, युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे हस्तशिल्प समूहों में स्थायी आजीविका में योगदान मिलेगा।

गेहूं मजबूत; चीनी नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव लगभग स्थिर रहे। गेहूं में तेजी और चीनी में नरमी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,854.73 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,860.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 11 रुपये बढ़ गयी।दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। चना दाल औसतन आठ रुपये और मसूर दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल की कीमत 18 रुपये बढ़ गयी। तुअर दाल पांच रुपये और मूंग दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 45 रिंगिट फिसलकर 4,018 रिंगिट प्रति टन रह गया। जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.83 प्रतिशत गिरकर में 50.40 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 39 रुपये और वनस्पति 11 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल में भी नौ रुपये की गिरावट देखी गयी। सूरजमुखी तेल की कीमत 44 रुपये और मूंगफली तेल की 19 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

डाकघरों से भी कर सकेंगे म्यूचुअल फंड में निवेश, इंडिया पोस्ट का बीएसई से करार

नई दिल्ली। देश में म्यूचुअल फंड निवेश को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी शेयर बाजार बीएसई ने भारतीय डाक के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत डाकघरों पर भी म्यूचुअल फंड उत्पादों में निवेश की सुविधा होगी। शेयर बाजार आधारित म्यूचुअल फंड ट्रांजेक्शन में 85 प्रतिशत बीएसई के स्टार एमएफ के जरिये होता है। हर महीने इस प्लेटफॉर्म पर करीब सात करोड़ ट्रांजेक्शन होते हैं। दोनों संस्थाओं की संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि डाक विभाग के 1.64 लाख डाकघरों के माध्यम से देश के अंतिम छोर तक म्यूचुअल फंड का वितरण और निवेशकों को जागरूक बनाने का काम संभव हो सकेगा। सहमति पत्र पर बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदररमन राममूर्ति और डाक विभाग में महाप्रबंधक मनीषा बंसल बादल ने यहां हस्ताक्षर किये। डाक विभाग के चुनिंदा कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर प्रमाणित म्यूचुअल वितरक के तौर पर तैयार किया जायेगा। इसके बाद वे बीएसई स्टार एमएफ प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को उत्पादों की पेशकश कर सकेंगे और निवेश के बारे में सलाह दे सकेंगे।

खुदरा महंगाई की दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत

नई दिल्ली। सब्जियों और दालों की कीमतों में भारी गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य आधारित मुद्रास्फीति (खुदरा महंगाई) की दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत दर्ज की गयी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खुदरा महंगाई की दर में मामूली वृद्धि दर्ज की गयी और यह अक्टूबर 2025 के 0.25 प्रतिशत से बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंच गयी। पिछले साल नवंबर में खुदरा महंगाई 9.04 प्रतिशत पर रही थी। खाद्य मुद्रास्फीति की दर शून्य से 3.91 प्रतिशत नीचे रही। यह लगातार छठा महीना है जब खाद्य मुद्रास्फीति दर शून्य से कम रही है। यह अक्टूबर में 5.02 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 5.48 प्रतिशत दर्ज की गयी थी।

आंकड़ों में बताया गया है कि सब्जियों की कीमतों में एक साल पहले के मुकाबले 22.20 प्रतिशत और दालों तथा उनके उत्पादों की कीमतों में 15.86 प्रतिशत की गिरावट आयी है। वहीं, तेल एवं अन्य वसा युक्त उत्पादों के दाम 7.87 प्रतिशत, फलों के दाम 6.87 प्रतिशत, चीनी तथा कंफेक्शनरी उत्पादों के 4.02 प्रतिशत और अंडों के 3.77 प्रतिशत बढ़े। दूध तथा उनसे बने उत्पाद भी 2.45 प्रतिशत महंगे हुए हैं। आवास की महंगाई दर 2.95 प्रतिशत और ईंधन एवं बिजली की 2.32 प्रतिशत रही।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी के साथ किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान) के साथ समझौता किया। यह समझौता नई दिल्ली में एमएनआरई मुख्यालय में हुआ। इस महत्वपूर्ण सहयोग के तहत टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय ड्राइविंग और जलवायु परिस्थितियों में प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए अपना हाइड्रोजन फ्यूल-सेल इलेक्ट्रिक वाहन, टोयोटा मिराई राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान को सौंपा है। एमओयू के तहत राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान मिराई का प्रमुख परिचालन मापदंडों पर विस्तृत मूल्यांकन करेगा, जिसमें ईंधन दक्षता, वास्तविक दुनिया की रेंज, चलने की क्षमता, ईंधन भरने का व्यवहार, विभिन्न इलाकों में प्रदर्शन, सर्दियों की परिचालन स्थितियां और संपूर्ण पर्यावरणीय लचीलापन शामिल है। इस अवसर पर केंद्रीय नवीन और

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव अब योजना से वास्तविक कार्यान्वयन की ओर बढ़ रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बीच यह समझौता ज्ञापन। साथ ही परीक्षण के लिए हाइड्रोजन फ्यूल-सेल वाहन को सौंपना, हमारे नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। घरेलू क्षमता निर्माण और ऊर्जा स्वतंत्रता तथा कार्बन तटस्थता के करीब पहुंचने के लिए ये भागीदारियां आवश्यक है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर सुदीप दलवी ने कहा कि भारत के अलग-अलग मौसम और सड़कों पर टोयोटा मिराई की असली जांच से हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि हाइड्रोजन भविष्य में यातायात का एक बड़ा साधन बन सकता है या नहीं। इस साझेदारी से पता चलता है कि हम नई तकनीक लाने और भारत के ऊर्जा लक्ष्यों तथा स्वच्छ परिवहन को बेहतर बनाने में पूरी तरह से योगदान देने के लिए तैयार हैं। हम नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इस जरूरी अध्ययन में हमारा साथ दिया। उनका सहयोग भारत को 'नेट-जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ने में मजबूत बनाएगा। इस अवसर पर नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, सचिव संतोष कुमार सारंगी, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के मिशन डायरेक्टर अभय बाकरे, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी के महानिदेशक डॉ. मोहम्मद रिहान पर मौजूद थे। इसके अलावा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अधिकारी जिसमें विक्रम गुलाटी, कंट्री हेड और एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, कॉर्पोरेट अफेयर्स और गवर्नेंस, तथा अन्य वरिष्ठ कार्यकारी भी उपस्थित थे।

कोलसेतु के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी नीति को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग (कोलसेतु) के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की नीति को मंजूरी दे दी है। इसके तहत किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए कोयले का उपयोग करने को लेकर 'कोलसेतु' नामक एक नई विंडो बनाई गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज इस नीति को मंजूरी दी। यह नई नीति सरकार के कोयला क्षेत्र के सुधारों की श्रृंखला का हिस्सा है। यह नीति 2016 की एनआरएस (नॉन-रेगुलेटेड सेक्टर)

लिंकेज नीलामी नीति में 'कोलसेतु' नामक एक अलग विंडो जोड़कर, किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए नीलामी के आधार पर दीर्घकालिक कोयला लिंकेज के आवंटन की अनुमति देगी, जिसमें कोयले की आवश्यकता वाला कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकता है। इस विंडो के तहत कोकिंग कोल ऑफर नहीं किया जाएगा। एनआरएस के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी की मौजूदा नीति में एनआरएस जैसे सीमेंट, स्टील (कोकिंग), स्पंज आयरन, एल्युमीनियम और अन्य [उर्वरक (यूरिया) को छोड़कर] सहित उनके कैप्टिव पावर प्लांट्स (सीपीपी) के लिए सभी नए कोयला लिंकेज का आवंटन नीलामी के आधार पर दिए जाएंगे। एनआरएस लिंकेज की वर्तमान नीति के अनुसार, सब-सेक्टर केवल निर्दिष्ट अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए हैं।

भारत में स्टार्टअप इकाइयों की संख्या दो लाख के पार :गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में वर्ष 2025 के दौरान 44,000 से अधिक नयी स्टार्टअप इकाइयों को मान्यता दी गयी और इस तरह भारत में अब सरकारी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या दो लाख से अधिक हो गयी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर 2025 का शानदार समापन-एक अभूतपूर्व उपलब्धि! शीर्षक एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'इस वर्ष ही 44,000 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली। यह स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू होने के बाद से किसी एक वर्ष में सबसे बड़ी संख्या है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री गोयल के इस पोस्ट को रिपोस्ट किया।

श्री गोयल ने कहा कि इस उपलब्धि को और खास बनाता है कि इन मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में से लगभग 48 प्रतिशत में कम से कम एक महिला निदेशक या साझेदार हैं। साथ ही, इन स्टार्टअप्स ने 21 लाख

से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित किए हैं। उन्होंने लिखा है कि श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के आह्वान को 'हमारे युवा उद्यमियों, नवोन्मेषकों और निवेशकों का मजबूत समर्थन मिला है।' यह सफलता निम्नलिखित प्रयासों से संभव हुई है। उन्होंने बताया कि 1350 से अधिक स्टार्टअप इकाइयों में स्टार्टप फंड ऑफ फंड्स के अंतर्गत वैकल्पिक निवेश कोषों ने 25,320 करोड़ रुपये से की पूंजी लगायी है। इसी तरह स्टार्टअप ऋण गारंटी योजना के के तहत 775 करोड़ रुपये से अधिक की गारंटी स्वीकृत की गयी है।

श्री गोयल ने बताया कि स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत इनक्यूबेटरों द्वारा 3,200 से अधिक स्टार्टअप आवेदन पर 585 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी की गयी है। देश भर के स्टार्टअप ने अब तक 16,400 से अधि नए पेटेंट आवेदन दाखिल किये हैं। इसी तरह 34,800 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स का सरकारी आनलाइन मार्केट मंच जेम इंडिया पर जोड़ा गया है जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धा और सफलता के लिए समान अवसर मिला है।

नयी तेल एवं गैस नीति से भारत की ऊर्जा क्षमता को मिलेगा बड़ा फायदा: अनिल अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने तेल एवं गैस क्षेत्र के लिए सरकार की ओर से किये गये बड़े सुधारों को ऐतिहासिक कदम बताया है और कहा है कि यह बदलाव भारत की वर्षों से पहचानी गयी लेकिन कम विकसित हाइड्रोकार्बन क्षमता को तेजी से उजागर करने का मार्ग खोलेगा। यहां जारी एक विज्ञप्ति में श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को बधाई देते हुए कहा कि नये नियम देश में अन्वेषण और उत्पादन को गति देने के लिए एक निर्णायक नीतिगत बदलाव का संकेत हैं। तेल क्षेत्र (विनियम एवं विकास) संशोधन अधिनियम, 2025 की ओर संकेत करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा, 'भारत के पास ऊर्जा संसाधनों का अपार भंडार है, और ये सुधार अंततः उन्हें उपयोग में लाने के लिए सही माहौल तैयार करते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे किफायती तेल और गैस उत्पादक देशों में से एक बन सकता है, और इन सुधारों का सबसे अधिक लाभ उपभोक्ताओं, खासकर आर्थिक रूप

से कमजोर वर्गों को मिलेगा। आयात पर निर्भरता कम होने से ऊर्जा उपलब्धता और सुरक्षा मजबूत होगी।

श्री अग्रवाल की राय में नये नियम ऊर्जा क्षेत्र को अधिक समावेशी बनाने वाले हैं। अब स्टार्ट-अप, युवा उद्यमी, इनोवेटर और यहां तक कि विश्वविद्यालय के छात्र भी कम निवेश में अन्वेषण गतिविधियों की शुरुआत कर सकेंगे। उनके अनुसार, यह कदम भारत के अन्वेषण आधार को व्यापक बनाकर क्षेत्र में नयी ऊर्जा लाएगा। उन्होंने अमेरिकी ऊर्जा क्रांति का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां खुले और अनुकूल नीतिगत माहौल ने हजारों कंपनियों और व्यक्तियों को अन्वेषण में उतरने का अवसर दिया, जिससे अमेरिका एक बड़े आयातक से ऊर्जा-संपन्न राष्ट्र में बदल गया। उन्होंने कहा, 'भारत भी अब उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है।' श्री अग्रवाल ने इसे 'पीढ़ी में एक बार होने वाला सुधार' बताया और विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का कम से कम आधा हिस्सा घरेलू उत्पादन से पूरा कर सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन नीतिगत बदलावों से निवेश को गति मिलेगी, नये खिलाड़ी उद्योग में प्रवेश करेंगे और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत की ऊर्जा आपूर्ति और भी मजबूत और सुरक्षित बनेगी।

भारत के समुद्री उत्पादों का निर्यात अप्रैल से अक्टूबर में 14 प्रतिशत बढ़ा, अमेरिका में झींगे के निर्यात को मिली मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का समुद्री उत्पादों का निर्यात अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक 13.93 प्रतिशत बढ़कर 4,793.08 मिलियन डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी समय 4,207.08 मिलियन डॉलर था। सरकार ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में अमेरिका को झींगे का निर्यात भी काफी मजबूत हुआ है। हालांकि, इसी अवधि में अमेरिका को भेजे गए जमे हुए झींगे के निर्यात में कमी आई है। वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में बताया कि इसके लिए, सरकार ने बाजार में विविधता लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं और व्यापारियों से मिलने के लिए बैठकें आयोजित की हैं। अगस्त से अक्टूबर 2025 (अस्थायी आंकड़े) के दौरान अमेरिका को जमे हुए झींगे का निर्यात घटकर 55,282 टन हो गया, जिनकी कीमत 512.81 मिलियन डॉलर रही, जबकि 2024 में इसी अवधि में यह 83,375 टन था, जिसकी कीमत 673.98 मिलियन डॉलर थी। मंत्री ने आगे बताया कि मरीन प्रोडक्ट्स

एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमपीईडीए) ने एशिया और यूरोप में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समुद्री उत्पाद मेलों में भाग लिया। चेन्नई और नई दिल्ली में 2025 में आयोजित रिवर्स बायर-सेलर मीट्स में 100 से अधिक खरीदारों और निर्यातकों के बीच बातचीत हुई। एमपीईडीए नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए निर्यातकों को मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बारे में जानकारी देने वाले कार्यक्रम भी चला रहा है। वाणिज्य विभाग यूरोपीय संघ से एफटीए को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वहीं, मत्स्य पालन विभाग ने एशिया-प्रशांत (एपेक) देशों के साथ मिलकर गुणवत्ता आश्वासन, जैव सुरक्षा, कोल्ड-चेन में सुधार और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के लिए सहयोग किया है। एमपीईडीए ने विशाखापत्तनम में भारतीय झींगे की नस्ल से स्पेशल्टी फ्री पीट (एसपीएफ) टाइगर झींगा का उत्पादन करने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया है। साथ ही, 'शफारी सर्टिफिकेशन' को लागू किया है, ताकि झींगे और अन्य उत्पाद एंटीबायोटिक-मुक्त और बीमारी-मुक्त हों, और इन्हें बेहतर तरीकों से तैयार किया जा सके।

इसके अलावा, एडवांस्ड टेक्नोलॉजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इन एक्वाकल्चर योजना लागू की गई है, जिससे झींगा उत्पादन में सुधार किया जा रहा है और किसानों को पूंजी के लिए 50-75 प्रतिशत तक आर्थिक मदद दी जा रही है।

हाल ही में मछली पालन और एक्वाकल्चर से जुड़े 20 से अधिक उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की गई है, ताकि लागत कम हो और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिले।

केंद्र ने नारियल के एमएसपी में किया इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2026 सीजन के लिए नारियल के दोनों प्रकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि किसानों को लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने के लिए 2026 सीजन के लिए नारियल गिरी मिलिंग ग्रेड के एमएसपी में 400 रुपये और नारियल गोला के एमएसपी में 445 रुपये की वृद्धि की गयी है।

सीजन 2014 के मुकाबले यह बढ़ोतरी क्रमशः 127 और 129 प्रतिशत की है। इस फैसले के बाद नारियल गिरी मिलिंग ग्रेड का नया एमएसपी 12,027 प्रति कुंतल और नारियल गोला का नया एमएसपी 12,500 प्रति कुंतल हो गया है। वैष्णव ने कहा कि इसका उद्देश्य देश और विदेश में नारियल उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए किसानों को खोपरा (सूखा नारियल) उत्पाद बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

युवाओं को एआई, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन में तैयार करेंगे: कपिल देव अग्रवाल

एजेंसी

लखनऊ। विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश की मजबूत भूमिका सुनिश्चित करने हेतु 'विकसित उत्तर प्रदेश @2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इसी क्रम में योजना भवन, लखनऊ में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में राज्य स्तरीय विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया।

युवाओं को एआई, सेमीकंडक्टर

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को आधुनिक उद्योगों जैसे एआई, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और ड्रोन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें रोजगारपरक बनाकर इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप ढाला जाएगा। भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में योगदान देकर प्रति व्यक्ति आय बढ़ाई जाएगी। ITI को अपग्रेड कर नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, ताकि प्रशिक्षार्थी कर्मचारी नहीं बल्कि एम्प्लॉयर बनें। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत विजन को मजबूत करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए युवाओं को ITI में बेहतर प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान किया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रेनर, असेसमेंट, सर्टिफिकेशन और एम्प्लॉयमेंट को मजबूत करने पर फोकस है। टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ 212 ITI को अपग्रेड करने के Mo किए गए हैं, जिसमें पिछले और इस वर्ष 24 हजार बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रतिवर्ष 7 लाख बच्चे ITI से प्रशिक्षित हो रहे हैं, जबकि कौशल विकास मिशन से 70 हजार युवा प्रशिक्षित हो रहे हैं। न्यू एज कोर्स जैसे ड्रोन, IoT, AI, ब्लॉकचेन में प्रशिक्षण देकर युवाओं को वैश्विक लीडर बनाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा नरेंद्र भूषण ने कहा कि पॉलीटेक्निक में बेहतर प्रशिक्षण से कल-कारखानों में मानव संसाधन मजबूत किया जा रहा है। सभी राज्यों की तरह एकेडमिक कैलेंडर एक समान किया गया है। TTL के सहयोग से 121 पॉलीटेक्निक में स्मार्ट इंडस्ट्री 4.0 के अनुरूप छात्रों को तैयार किया जा रहा है। naukri.com के साथ स्मार्ट प्लेसमेंट सुनिश्चित हो रहा है, जबकि CoE के तहत कंपनियों से MoU कर स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है। यह बड़ा कार्य है।

ईयर एंडर 2025: स्टार्टअप्स ने अर्थव्यवस्था को दी मजबूती; 9 अरब डॉलर से अधिक का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में नौकरी और करियर बनाने का तरीका तेजी से बदल रहा है, जिसकी अगुवाई नई पीढ़ी के स्टार्टअप्स कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की सहायता से अब नया व्यवसाय शुरू करना कम समय और संसाधनों में संभव हो गया है। साल 2025 के पहले 9 महीनों में निवेशकों ने नए स्टार्टअप फंड्स में 9 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जो भारतीय स्टार्टअप्स में निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। हाल ही में लिंक्डइन ने अपनी 8वीं वार्षिक सूची 'टॉप स्टार्टअप्स इंडिया 2025' जारी की है, जिसमें तेजी से बढ़ते 20 स्टार्टअप्स को शामिल किया गया है। इन कंपनियों की हायरिंग स्पीड, टैलेंट आकर्षित करने की क्षमता और इंडस्ट्री में नए ट्रेंड बनाने के आधार पर यह सूची तैयार की गई है। टॉप 10 कंपनियों में से

अधिकांश जैसे Zepto, Lucidity, Swish, Weekday, Jar और Refyne, का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है। इस सूची में शामिल प्रमुख स्टार्टअप्स में 10 मिनट में ग्रॉसरी डिलीवर करने वाला Zepto और क्लाउड स्टोरेज को प्रभावी बनाने वाला Lucidity शामिल हैं। इसके अलावा, फाइनेंशियल फिटनेस ऐप Jar, इंजीनियरों को हायर करने वाला Weekday, और मैथ्स को मजेदार बनाने वाला Bhanzu भी शामिल हैं। ये स्टार्टअप्स तेजी से टैलेंट को आकर्षित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में नए इनोवेशन के रास्ते खोल रहे हैं।

ऐतिहासिक गिरावट के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

मुंबई। बैंकों के डॉलर खरीद बढ़ाने से रुपये में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर भी गिरावट रही और यह ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज 17.50 पैसे की गिरावट के साथ 90.4950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। वहीं बीच कारोबार में यह

90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी थी। दोनों इसका नया रिकॉर्ड है।

पिछले कारोबारी दिवस पर रुपये 90.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया आज 11 पैसे टूटकर 90.43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 90.56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। एक समय यह 90.28 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ था। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से रुपये पर दबाव रहा जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी तथा घरेलू शेयर बाजारों की तेजी ने इसे समर्थन दिया।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 3.61 लाख करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख भी बन गया। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे शेयर बाजार की चाल में दोबारा तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। जानकारों का कहना है कि ग्लोबल बाजारों के मजबूत संकेतों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत से मार्केट में आज पॉजिटिव सेंटीमेंट बन गए। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी मार्केट सेंटीमेंट्स को पॉजिटिव सपोर्ट मिला?। भारतीय बाजार के लिहाज से देखें, तो इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (वीआईएक्स) आज 2.5 प्रतिशत तक गिर गया।

आज के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी के मेटल इंडेक्स ने 2.63 प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा निफ्टी का रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स में भी 1 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 470.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.64 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.61 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,593 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,593 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,825 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,878 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 947 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 232.90 अंक की मजबूती के साथ 85,051.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 85,282.76 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स फिसल कर 84,956.74 अंक के स्तर तक गिर गया। दोपहर 11 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 449.53 अंक की बढ़त के साथ 85,267.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.65 अंक उछल कर 25,971.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 26,038.40 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण निफ्टी लुढ़क कर 25,938.45 अंक के स्तर तक आ गया।

गाने के ट्रम्प के फैसले के खिलाफ प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने पेश किया प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाये गये 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है। अमेरिकी सांसदों ने पेश किये गये इस प्रस्ताव में इन शुल्क को 'अवैध' बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रिप्रेजेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया। इससे पहले सीनेट में ब्राजील पर लगाये गये इसी तरह के टैरिफ को वापस लेने और आपातकालीन शक्तियों के तहत व्यापार शुल्क लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को सीमित करने के लिए दोनों पार्टियों ने मिलकर प्रयास किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का मकसद 27 अगस्त को भारतीय सामानों पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को रद्द कराना है।

पाकिस्तान में वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों में कारों की बिक्री 43 प्रतिशत बढ़ी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों में कारों की बिक्री में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। पाकिस्तान में कारों में वृद्धि का मुख्य कारण ब्याज दरों में कमी और आर्थिक सुधार माना जा रहा है। पाकिस्तान ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई से नवंबर तक कारों की बिक्री साल-दर-साल 43 प्रतिशत बढ़कर 55,239 यूनिट हो गयी, जबकि पिछले साल इसी समय में यह 38,597 यूनिट थी। अकेले नवंबर में कारों की बिक्री 12,408 यूनिट तक पहुंच गयी, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक है, हालांकि महीने के आधार पर इसमें आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। पहले पांच महीनों में जीप और माल ढ़ोने वाली गाड़ियों की बिक्री 62 प्रतिशत बढ़कर 19,803 यूनिट हो गई, जबकि ट्रक की बिक्री 101 प्रतिशत बढ़कर 2,753 यूनिट और बस की बिक्री 72 प्रतिशत बढ़कर 407 यूनिट हो गई। मोटरसाइकिल और रिक्शा में भी 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो 762,778 यूनिट तक पहुंच गई। किसानों की कम मांग के कारण हालांकि ट्रैक्टर की बिक्री में गिरावट जारी रही, जिनके बारे में उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि वे मौसम से जुड़ी चुनौतियों के कारण खेती की पैदावार में कमी का सामना कर रहे हैं।

रेडिट ने किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया पर किया मुकदमा

मॉस्को। सोशल नेटवर्क रेडिट ने ऑस्ट्रेलिया उच्च न्यायालय में ऑस्ट्रेलिया और वहां के संचार मंत्री अनिका वेल्स के खिलाफ मुकदमा दायर कर 16 वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध कानून रद्द करने की मांग की है। ऑस्ट्रेलिया ने 09 दिसंबर को इंस्टाग्राम, फेसबुक, थ्रेड्स, स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स, यूट्यूब, रेडिट, किक, ट्विच आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के इस्तेमाल पर 16 वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। जो सोशल मीडिया कंपनियां 16 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के अकाउंट नहीं हटाती हैं, उन्हें 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 298 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। मुकदमे में मांग की गई है कि ऑनलाइन सुरक्षा संशोधन अधिनियम 2024 से न्यूनतम उम्र को अमान्य किया जाए, साथ ही अदालत से कानूनी खर्चों में आई लागत की वसूली का भी अनुरोध किया गया है। रेडिट के अनुसार यह 'राजनीतिक संवाद की स्वतंत्रता' का उल्लंघन है।

अमेरिका और जापान ने चीन के रडार लॉक की घटना पर चिंता जताई

टोक्यो। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने चीनी सैन्य विमान से जुड़े रडार लॉक की घटना पर गंभीर चिंता जताई। गत 6 दिसंबर को एक चीनी फाइटर जेट ने दक्षिण-पश्चिमी जापान में ओकिनावा प्रीफेक्चर के पास जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के विमान पर अपने रडार को टारगेट किया। जापान के रक्षा मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक दोनों रक्षा प्रमुखों ने 6 दिसंबर की रडार घटना और इलाके में तेजी से गंभीर होती सुरक्षा स्थितियों पर चर्चा की। दोनों रक्षा प्रमुखों ने घटना और दूसरे मामलों पर चर्चा करने के लिए करीब 40 मिनट तक टेलीफोनिक बात की और इस बात पर सहमत हुए कि जापान और अमेरिका स्थितियों को शांत करने के लिए सम्पर्क बनाए रखेंगे। श्री कोइजुमी ने कहा, 'जापान देशभर में पूरी लगन से पेट्रोलिंग और सर्विलांस करता रहेगा और किसी भी स्थिति का शांति और पक्के इरादे से जवाब देगा।' दोनों नेताओं ने यह राय जताई कि चीन की गतिविधि इलाके की शांति और स्थिरता के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जापान और अमेरिका एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे और सम्पर्क में रहेंगे। अमेरिका के युद्ध विभाग ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने जापान के रक्षा खर्च बढ़ाने और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिशों, चीन की सैन्य गतिविधियों और दक्षिणी-पश्चिमी द्वीपों समेत पूरे जापान में प्रशिक्षण और अभ्यास की अहमियत पर चर्चा की।

ट्रंप का दावा : 96 प्रतिशत नशीले पदार्थों पर लगाई लगाम, तस्करों पर करेंगे स्ट्राइक

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनकी सरकार ने अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी को काफी हद तक रोक दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग इस तस्करी में शामिल हैं, उनके खिलाफ सेना जैसी सख्त कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें जमीन पर हमले भी शामिल हो सकते हैं। व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि समुद्र के रास्ते आने वाले करीब 96 प्रतिशत नशीले पदार्थों को रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब समुद्र में किसी तस्करी करने वाली नाव को नष्ट किया जाता है, तो इससे हजारों अमेरिकी लोगों की जान बचती है। ट्रंप ने बताया कि अब कार्रवाई का दायरा जमीन के रास्तों तक बढ़ाया जा रहा है और यह समुद्र के मुकाबले ज्यादा आसान है। वेनेजुएला को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कोई खास जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि कार्रवाई सिर्फ किसी एक देश

तक सीमित नहीं होगी, बल्कि उन लोगों के खिलाफ होगी जो नशीले पदार्थ लाकर अमेरिकी नागरिकों की जान ले रहे हैं। उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी को देश की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया और कहा कि इससे होने वाली मौतों की संख्या किसी युद्ध जैसी है। ट्रंप के अनुसार, हर साल करीब तीन लाख लोगों की मौत नशीले पदार्थों की वजह से होती है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका की सीमा की स्थिति अब पूरी तरह बदल गई है। उनके अनुसार, पहले लाखों लोग सीमा पार कर रहे थे, लेकिन अब अवैध तरीके से कोई नहीं आ पा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब एक मजबूत और सम्मानित देश है। उन्होंने कोलंबिया की आलोचना करते हुए कहा कि वहां अब भी कोकीन बनाने की फैक्ट्रियां हैं, हालांकि समुद्र के रास्ते तस्करी लगभग खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने साफ किया कि वे अभी किसी सैन्य योजना का खुलासा नहीं करेंगे, लेकिन नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों को निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी परिवारों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है और सरकार नशीले पदार्थों से होने वाली मौतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में ड्रग्स की तस्करी से लड़ने के लिए कानून प्रवर्तन, सैन्य सहायता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मिलाकर काम कर रहा है। भारत भी अमेरिका की इस नीति पर नजर रखता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क का असर संगठित अपराध, धन शोधन और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ता है, जो दक्षिण एशिया और वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को भी प्रभावित करता है।

ट्रंप की सीजफायर घोषणा के बावजूद थाईलैंड का कंबोडिया पर हवाई हमला, 20 की मौत

एजेंसी

कंबोडिया । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद कंबोडिया ने थाईलैंड पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि युद्धविराम पर सहमति बनने के बावजूद, थाई सेना ने शनिवार को उसके क्षेत्र में हवाई हमले जारी रखे। आरोप है कि थाई सेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का उपयोग करते हुए कंबोडिया के भीतर कई स्थानों पर सात बम गिराए। कंबोडिया के ये नए आरोप ऐसे समय आए हैं, जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि थाईलैंड और कंबोडिया के नेता दुश्मनी खत्म करने और युद्धविराम को फिर से लागू करने पर सहमत हो गए हैं। यह सहमति मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की महत्वपूर्ण मध्यस्थता के बाद बनी थी, जिससे कई दिनों तक चली घातक झड़पों के बाद संघर्ष विराम टूटने का खतरा टल गया था। इस ताजा तनाव पर थाईलैंड की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, ब्लूमबर्ग न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया हिंसा में थाईलैंड ने अपने 10 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। वहीं, कंबोडिया ने बताया है कि इस हिंसा में एक बच्चे सहित 10 नागरिकों की मौत हुई है और कम से कम 60 लोग घायल हुए हैं, जिससे यह संवेदनशील सीमा इलाका एक बार फिर गहरे तनाव में आ गया है।

चुनावी तैयारियों के बीच खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान सात साल बाद लौटेंगे बांग्लादेश

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में संसदीय चुनाव अगले साल 12 फरवरी को होगा। चुनावी तैयारियों के बीच बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) प्रमुख और पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत काफी नाजुक बनी हुई है। ऐसे में उनके बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ब्रिटेन से 25 दिसंबर को अपने वतन लौटेंगे। यह जानकारी ढाका में आयोजित पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई। बीएनपी सेक्रेटरी जनरल मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि पार्टी ढाका में तारिक रहमान रहमान के आने पर उनका औपचारिक स्वागत करेगी। दरअसल तारिक रहमान को 2007 में राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान गिरफ्तार किया गया था। 2008 में जेल से रिहा होने के बाद वह अपने परिवार के साथ इलाज के लिए ब्रिटेन चले गए थे और तब से वहीं हैं। पिछले साल 5 अगस्त को लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई अवामी लीग की सरकार के गिरने के दौरान देश में भारी हिंसा देखने

को मिली। हिंसक विद्रोह के बाद अलग-अलग मामलों में तारिक रहमान को सजा देने वाले कोर्ट के कई फैसलों को पलट दिया गया था। कुछ दूसरे मामलों में उन्हें कानूनी कार्रवाई के जरिए बरी कर दिया गया था। मां खालिदा जिया के स्वास्थ्य खराब होने के बाद से तारिक रहमान की वापसी की चर्चा ने जोर पकड़ लिया था। तारिक ने भी बांग्लादेश चुनाव में अपनी वापसी का ऐलान किया था।

चुनाव आयोग ने गुरुवार शाम 6 बजे चुनावी तारीख का ऐलान किया है। चुनाव कार्यक्रम मुताबिक संसदीय चुनाव के लिए नामांकन 29 दिसंबर तक दाखिल किए जाएंगे। 30 दिसंबर से 4 जनवरी 2026 तक नामांकन की स्क्रूटनी होगी। 20 जनवरी नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। वहीं, 21 जनवरी को चुनाव चिन्ह आवंटन और अंतिम उम्मीदवार सूची जारी होगी। 22 जनवरी से 10 फरवरी सुबह 7:30 बजे तक चुनाव प्रचार की अनुमति होगी।

नेकपा एमाले की अध्यक्षता के लिए ओली फिर करेंगे दावा, ईश्वर पोखरेल देंगे चुनौती

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) के आज से शुरू हो रहे 11वें महाधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के पुनः अध्यक्ष पद पर दावा करने की संभावना है और ऐसा होने पर पार्टी के उपाध्यक्ष रहे ईश्वर पोखरेल ने उनको चुनौती देने के लिए कमर कस ली है।

महाधिवेशन 15 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें देशभर से 2,262 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। पार्टी का नया नेतृत्व चुनने के लिए बंद सत्र रविवार से काठमांडू के भृकुटीमंडप में शुरू होगा। पार्टी के 11वें महाधिवेशन के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर 11 पार्टी ध्वज लगाए जाएंगे। इनमें से 10 झंडे कार्यक्रम की शुरुआत में फहराए जाएंगे, जबकि एक झंडा दूरस्थ माध्यम से फहराया जाएगा। यह जानकारी यूएमएल के प्रचार-प्रसार एवं प्रकाशन विभाग के प्रमुख राजेंद्र गौतम ने दी। महाधिवेशन में नेतृत्व चयन दूसरे विधान महाधिवेशन (5 से 7 सितंबर) में पारित विधान और नीति के अनुसार किया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल के बीच शीर्ष पद के लिए मुकाबला होने की संभावना है। दोनों पक्षों द्वारा 15 सदस्यीय पदाधिकारी पैनल के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी की जा रही है। हुई पार्टी की केंद्रीय सचिवालय बैठक में चुनाव प्रक्रिया, बंद सत्र की कार्यप्रणाली और नेतृत्व गठन के आधार को अंतिम रूप दिया गया। यूएमएल के उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली के अनुसार, बैठक में विधान महाधिवेशन द्वारा स्वीकृत संरचना के अनुरूप 251 सदस्यीय केंद्रीय समिति और 15 पदाधिकारियों के चुनाव का निर्णय लिया गया। पार्टी नेताओं का दावा है कि महाधिवेशन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उद्घाटन सत्र में करीब 3 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में नेपाल की विविध कला, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता को दर्शाने वाली 200 से अधिक सांस्कृतिक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। उद्घाटन समारोह में 16 राजनीतिक दलों के नेताओं और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' भी शामिल हैं। महाधिवेशन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पार्टी के 24 जनसंगठनों से 500 से अधिक स्वयंसेवकों को वर्दी में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, सेवाओं के संचालन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 10,000 प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को भी तैनात किया जाएगा।

ट्रंप ने अमेरिकी कॉलेज स्पोर्ट्स में एनआईएल सिस्टम को 'आपदा' बताया, फेडरल एक्शन के दिए संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की कॉलेज स्पोर्ट्स सिस्टम की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि नाम, छवि और समानता (जिन्हें 'एनआईएल' कहा जाता है) अमेरिका के कॉलेज स्पोर्ट्स को नियंत्रित कर रही हैं। एनआईएल के तहत कॉलेज एथलीट विज्ञापन और प्रायोजन से कमाई कर सकते हैं। ट्रंप ने इस सिस्टम को लेकर चेतावनी दी कि मौजूदा ढांचा टिकाऊ नहीं है और इससे विश्वविद्यालयों की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यदि हालात नहीं सुधरे तो संघीय सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, 'मुझे एनआईएल पसंद नहीं है। मुझे ट्रांसफर पोर्टल भी पसंद नहीं है और हमारे पास इस पर कोई नियंत्रण नहीं है।' उन्होंने कहा कि कॉलेज खेलों में चल रहा मौजूदा सिस्टम पूरी तरह

असंतुलित हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा, 'एनआईएल कॉलेज स्पोर्ट्स के लिए एक आपदा है। मुझे लगता है यह ओलंपिक्स के लिए भी नुकसानदायक है।' उनका तर्क था कि कॉलेज अनियंत्रित खर्च की दौड़ में फंस गए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आप किसी क्वार्टरबैक को हाई स्कूल से निकलते ही 14 मिलियन डॉलर नहीं दे सकते। उन्हें खुद नहीं पता कि वह खिलाड़ी वाकई अच्छा साबित होगा या नहीं।' ट्रंप के मुताबिक, टॉप संस्थान भी आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'सबसे सफल कॉलेज भी पैसे गंवा रहे हैं। कॉलेज इस खेल को खेलने का खर्च नहीं उठा सकते।' उन्होंने चेताया कि नुकसान केवल फुटबॉल और बास्केटबॉल तक सीमित नहीं है। कॉलेज कार्यक्रम ओलंपिक खेलों के लिए प्रशिक्षण स्थल हुआ करते थे, लेकिन अब कई खेल बंद किए जा रहे हैं। वे खेल इसलिए खत्म हो रहे हैं क्योंकि सारा पैसा फुटबॉल में लगाया जा रहा है। ट्रंप ने कॉलेज खेलों की तुलना पेशेवर लीग से करते हुए कहा कि अगर मजबूत सैलरी कैप न हो, तो सब दिवालिया हो जाएंगे। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए और कहा, 'हमेशा कोई न कोई खिलाड़ी होगा जिसे सात मिलियन दे दिए जाएंगे और फिर भी टीम नहीं जीतेगी।' राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा, 'मैं संघीय सरकार को इसके पीछे लगाने को तैयार हूं। अगर जल्दी कुछ नहीं किया गया, तो कॉलेज खत्म हो जाएंगे।

बीजिंग में भारत-चीन के अफसरों की रचनात्मक बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच कूटनीतिक स्तर पर सकारात्मक गति देखने को मिली, जब विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (ईस्ट एशिया), सुजीत घोष, 11-12 दिसंबर को चीन के दौरे पर पहुँचे। उन्होंने चीनी उप विदेश मंत्री सन वेइदोंग सहित विदेश और वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाना, आपसी विश्वास को मजबूत करना और सहयोग के क्षेत्रों में काम करना था। बैठकों को रचनात्मक और भविष्य की दिशा तय करने वाली बताया गया। दोनों देशों के अधिकारियों ने नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण मानते हुए, लोगों से जुड़े मुद्दों और व्यापारिक संपर्कों में सकारात्मक प्रगति को आगे ले जाने की जरूरत पर सहमति जताई। भारतीय पक्ष ने विशेष रूप से एक्सपोर्ट कंट्रोल से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र समाधान पर जोर दिया। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण और उपयोगी रही। चीनी पक्ष ने अगस्त में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों में नई दिशा देने वाला बताया। दोनों देशों ने आपसी सम्मान और संवाद को प्राथमिकता देते हुए मतभेदों का बेहतर प्रबंधन करने पर सहमति जताई। भारत ने संस्थागत संवाद को बहाल करने और रिश्तों में स्थिरता लाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

शीत युद्ध की ऐतिहासिक खेल जीत से रूस-यूक्रेन संघर्ष की तुलना, ट्रंप ने 1980 के 'मिरेकल ऑन आइस' को किया याद

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीत युद्ध के दौर की एक प्रसिद्ध खेल जीत की तुलना आज के वैश्विक संघर्ष से की। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की चल रही कोशिशों के बारे में बात करते हुए 1980 में सोवियत संघ पर 'मिरेकल ऑन आइस' जीत का जिक्र किया। अमेरिकी हॉकी टीम की सोवियत संघ पर मिली ऐतिहासिक जीत पर व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा कि यह जीत केवल खेल तक सीमित नहीं थी, बल्कि इससे बड़े सबक मिलते हैं। उन्होंने कहा कि उस समय अमेरिकी टीम ने बेहद मजबूत सोवियत टीम को हराया था और किसी को भी इसकी उम्मीद नहीं थी। यह कार्यक्रम अमेरिकी ओलंपिक हॉकी टीम को सम्मानित करने के लिए एक बिल साइनिंग सेरेमनी के तौर पर हुआ। जब ट्रंप से पूछा गया कि आज के संघर्षों के लिए इस जीत से क्या सीख मिलती है, तो ट्रंप ने सीधे यूक्रेन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्थिति कुछ हद तक वैसी ही है और आगे क्या होता है, यह देखा जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन युद्ध को खत्म करने के लिए काम कर रहा है, जबकि हर महीने बड़ी संख्या में सैनिक मारे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूस और यूक्रेन में पिछले महीने करीब 25 हजार सैनिकों की मौत हुई और उनका उद्देश्य इन मौतों को रोकना है। इस मौके पर ट्रंप ने 1980 की हॉकी टीम के लिए यादगार मेडल देने वाले कानून पर साइन किए, जिसे उन्होंने 'अमेरिकी खेलों के इतिहास के सबसे महान पलों में से एक' बताया।

ट्रंप ने कहा कि इस टीम ने देश को एकजुट किया और लोगों को प्रेरित किया। टीम के कप्तान माइक एरज़ियोन ने भी कहा कि समय के साथ इस मैच का राजनीतिक और ऐतिहासिक महत्व और स्पष्ट होता गया। ट्रंप ने इस जीत को अमेरिका की बड़ी वापसी की शुरुआत बताया। वहीं सांसद पीट स्टॉबर ने कहा कि इस टीम ने देश को उस समय मजबूती दी, जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने पहले ही कई युद्ध रुकवाए हैं और अब एक और युद्ध को खत्म करना बाकी है। हालांकि उन्होंने कोई ठोस कूटनीतिक कदम नहीं बताए, लेकिन कहा कि इस दिशा में प्रगति हो रही है।

'मिरेकल ऑन आइस' 1980 के शीतकालीन ओलंपिक में अमेरिकी टीम की सोवियत संघ पर 4-3 की जीत को कहा जाता है, जिसके बाद फिनलैंड को हराकर स्वर्ण पदक जीता गया था। यह मैच उस समय अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीतयुद्ध के माहौल में हुआ था और अमेरिका के आत्मविश्वास का प्रतीक बन गया।

यमन में अलगाववादियों के हमले में 30 से अधिक सैनिक मारे गए

एजेंसी

सना। पूर्वी यमन के हद्रमाउत प्रांत में अलगाववादी बलों के हमले में 30 से अधिक यमनी सैनिक मारे गए।सेना के जनरल स्टाफ ने आधिकारिक समाचार एजेंसी सना से बात करते हुए अलगाववादी बलों पर आरोप लगाया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए घायलों को मार रहे हैं और कैदियों को फांसी दे रहे हैं। जनरल स्टाफ ने कहा कि अलगाववादियों के हमले में कम से कम 32 यमनी अधिकारी और सैनिक मारे गए, जबकि 45 अन्य घायल हो गये। उन्होंने कहा कि कई अधिकारी और सैनिक अभी भी लापता हैं। जनरल स्टाफ ने अलगाववादियों पर हद्रमाउत को अस्थिर करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अधिकारियों के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में राजनीतिक प्रक्रिया को कमजोर करने के लिए तेल-समृद्ध पूर्वी प्रांत पर कब्ज़ा करने का आरोप लगाया। यमनी सरकार के सूत्रों ने बताया कि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की राजधानी अदन में अलगाववादी बलों की पूर्वी यमन से वापसी पर चर्चा करने के लिए एक सऊदी-अमीराती प्रतिनिधिमंडल आया था। सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने यमन की प्रेसिडेंशियल लीडरशिप काउंसिल (पीएलसी) के सदस्य एदारुस अल-जुबैदी से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि श्री अल-जुबैदी पूर्वी यमन में हद्रमाउत और अल-महारा प्रांतों पर अलगावदी बलों द्वारा कब्ज़ा करने के बाद हुए तनाव को नियंत्रित करने के लिए संक्रमणकालीन परिषद का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने हद्रमाउत और अल-महारा से दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एसटीसी) से जुड़ी सेनाओं को उनकी पिछली स्थिति में वापस बुलाने और प्रांतों का नियंत्रण पीएलसी प्रमुख रशाद अल-अलीमी के प्रति वफादार बलों को हस्तांतरित करने की व्यवस्था पर भी चर्चा की। यमन सरकार ने पिछले हफ्ते स्पुतनिक को बताया कि श्री अल-अलीमी ने हद्रमाउत प्रांत में सरकारी संस्थानों और हवाई अड्डे पर अलगाववादियों द्वारा कब्ज़ा करने के बाद अपने देश के पूर्वी हिस्से में सैन्य तनाव पर चर्चा करने के लिए सऊदी अरब का दौरा किया था। श्री अल-अलीमी ने पूर्वी यमन की हालिया घटनाओं पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे पीएलसी और सरकार के भीतर सहमति को कमजोर करेंगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि वर्तमान में यमन के विद्रोही अंसार अल्लाह आंदोलन (जिसे हूती भी कहा जाता है) के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में वैध अधिकारियों की शक्ति को बहाल करने के प्रयासों को बेअसर करेगी।

ईयू ने अफ़गानिस्तान में खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए करीब तीन करोड़ रुपये दिए

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अफ़गानिस्तान में मानवीय जरुरतों को मज़बूत करने और खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को दो करोड़ 90 लाख 30 हजार रुपये दिए हैं। अफ़गानिस्तान में ईयू प्रभारी डी'अफ़ेयर्स वेरोनिका बोस्कोविक-पोहर ने यह जानकारी दी है। बोस्कोविक-पोहर ने कहा 'डब्ल्यूएफपी में यूरोपियन संघ का नया योगदान अफ़गान लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और कमज़ोर स्थानीय समुदाय के प्रति हमारे लगातार समर्पण को दिखाता है। क़ृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को अफ़गानों के पोषण , स्वास्थ्य और आर्थिक जरुरतों को मज़बूत करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए। जलवायु अनुकूलन क्षमता के लिए हमारे समग्र दृष्टिकोण के ज़रिए हम कमज़ोर ग्रामीण समुदाय को प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के लंबे समय तक चलने वाले खतरनाक असर से उनकी रोजी-रोटी और आय को बचाने में भी मदद कर रहे हैं।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मदद डब्ल्यूएफपी की उन कोशिशों का समर्थन करेगी जिनका मकसद खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना और जलवायु परिवर्तन के हिसाब से ढलना है। साथ ही, इसमें यह भी कहा गया है कि खास प्रोजेक्ट्स में बाढ़ से बचाने वाली दीवारें और सिंचाई प्रणाली जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को उन्नत करना, जलवायु के खतरों को कम करना।

20 अमेरिकी राज्यों ने एच-1बी वीजा फीस को लेकर ट्रंप पर किया मुकदमा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के 20 राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत में मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों का कहना है कि एच-1बी वीजा के नए आवेदनों पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर की भारी फीस लगाना गैरकानूनी है और इससे जरूरी सार्वजनिक सेवाओं पर बुरा असर पड़ेगा। यह मुकदमा डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा लागू की गई एक नीति को निशाना बनाता है, जिसमें एच-1बी वीज़ा के तहत विदेशी कुशल कर्मचारियों को रखने के लिए नियोक्ताओं पर अचानक बहुत ज़्यादा शुल्क लगा दिया गया। इस वीज़ा का इस्तेमाल अस्पताल, विश्वविद्यालय और सरकारी स्कूल में बड़े पैमाने पर किया जाता है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा इस मामले का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके कार्यालय के हवाले से कहा गया कि प्रशासन के पास इतनी बड़ी फीस लगाने का अधिकार नहीं है। बॉन्टा ने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते कैलिफोर्निया जानता है कि जब दुनिया भर से कुशल लोग यहाँ काम करने आते हैं, तो राज्य आगे बढ़ता है। बॉन्टा ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप

द्वारा लगाई गई यह 1 लाख डॉलर की एच-1बी फीस न सिर्फ़ बेवजह है, बल्कि अवैध भी है। इससे स्कूलों, अस्पतालों और अन्य जरूरी सेवाएं देने वाले संस्थानों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और कर्मचारियों की कमी और बढ़ जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 सितंबर, 2025 को जारी एक घोषणा के ज़रिए इस फीस का आदेश दिया था। 21 सितंबर के बाद दायर किए गए एच-1बी आवेदनों पर इसे लागू किया गया। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी को यह तय करने का अधिकार दिया कि कौन से आवेदन इस फीस के दायरे में आएंगे या छूट के लिए योग्य होंगे।

राज्यों का कहना है कि यह नीति प्रशासनिक प्रक्रिया, कानून, और अमेरिकी संविधान का उल्लंघन करती है, क्योंकि बिना तय प्रक्रिया अपनाए नियम बनाए गए हैं और कांग्रेस की सीमा से बाहर जाकर फैसला लिया गया है। अब तक एच-1बी से जुड़ी फीस सिर्फ़ व्यवस्था चलाने के खर्च तक सीमित रहती थी। फिलहाल नियोक्ता एच-1बी वीज़ा के लिए अलग-अलग शुल्क मिलाकर लगभग 960 से 7,595 डॉलर तक देते हैं। संघीय कानून के अनुसार उन्हें यह भी प्रमाण देना होता है कि विदेशी कर्मचारी रखने से अमेरिकी कर्मचारियों की सैलरी या काम की स्थिति पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। कांग्रेस अधिकांश निजी क्षेत्र के एच-1बी वीजा की संख्या सालाना 65,000 तक सीमित रखती है, जबकि उच्च डिग्री वालों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा होते हैं। स्कूल, विश्वविद्यालय और अस्पताल जैसे सरकारी और गैर-लाभकारी संस्थानों को इस सीमा से छूट मिली हुई है। अटॉर्नी जनरल का कहना है कि नई फीस से शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी और बढ़ जाएगी। यह मुकदमा बोंटा और मैसाचुसेट्स के अटॉर्नी जनरल एंड्रिया जॉय कैंपबेल ने दायर किया था, जिसमें एरिज़ोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मैरीलैंड, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवाडा, नॉर्थ कैरोलिना, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, ओरेगन, रोड आइलैंड, वर्मोंट, वाशिंगटन और विस्कॉन्सिन के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हुए। एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम विदेशी कुशल पेशेवरों के लिए एक अहम रास्ता है। इसके तहत बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अमेरिका में तकनीक, स्वास्थ्य और शोध के क्षेत्र में काम करते हैं।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/13/2025 10:40 PM Page 2

घर पर सौंफ का पौधा कैसे उगाएं

आप अपने घर पर बीज से सौंफ का पौधा गमले में आसानी से लगा सकते हैं, किचिन गार्डन में सौंफ का पौधा लगाने के कई फायदे हो सकते हैं, जो खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किचिन में उपयोग किया जाता है, इस लेख में हम आपको सौंफ उगाने की विधि के बारे में जानकारी देंगे। सौंफ क्या है, घर पर सौंफ का पौधा कब लगाना चाहिए, बीज से सौंफ कैसे लगाएं, पौधा लगाने की विधि तथा इसकी देखभाल के तरीके इत्यादि जानने के लिए आर्टिकल को पूरा पढ़ें।

सौंफ का वानस्पतिक नाम फोनीकुलम वल्गारे (Foeniculum Vulgare) है। सौंफ को मीठी सौंफ या फेनेल नाम से भी जाना जाता है, यह एक हर्ब प्लांट है जिसकी उंचाई 4-6 फीट तक होती है। सौंफ के बल्ब (कंद) को सब्जी के रूप में तथा इसकी पत्तियों व बीज के समान फलों को खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है, आमतौर पर सौंफ की 2 किस्में होती हैं जो हैं-

फ्लोरेंस सौंफ - खाने योग्य कंद (बल्ब) के लिए उपयोगी।

हर्ब सौंफ - पत्तियों व बीज (सौंफ) के लिए उपयोगी।

सौंफ का पौधा कब लगाया जाता है

सौंफ का पौधा वातावरण में 15 -25 के आसपास तापमान होने पर अच्छी तरह ग्रो करता है, इसीलिए अपने क्षेत्र का वातावरण अनुकूल होने पर आप इसे किसी भी समय लगा सकते हैं। सौंफ का पौधा लगाने का बेस्ट समय (सौंफ बोने का समय) फरवरी-मार्च का महीना होता है, जब पूरी तरह ठण्ड का समय निकल जाता है।

गार्डन में सौंफ का पौधा कहां लगाएं -

सौंफ 15 - 25 के बीच के तापमान तथा पूर्ण सूर्य प्रकाश में अच्छी तरह ग्रोथ करते हैं इससे कम या ज्यादा तापमान होने पर पौधों की वृद्धि रुक सकती है इसीलिए आस-पास का वातावरण सौंफ उगाने के अनुकूल होने पर आप गार्डन की मिट्टी में सौंफ के बीज लगा सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें गमले की मिट्टी में सौंफ उगाने के लिए ऐसे स्थान का चयन करें जहाँ कम से कम पौधों को 6 घंटे की धूप प्राप्त हो सके।

गमले में सौंफ लगाने के लिए मिट्टी कैसे तैयार करें

सौंफ के पौधे अच्छी तरह से सूखी, जल निकास वाली तथा पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में बेहतर विकास करते हैं, इसीलिए आप इसे गमले में लगाने के लिए पॉटिंग सॉइल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आप सौंफ के पौधे को गार्डन की मिट्टी में लगाने का विचार बना रहे हैं तो इसे लगाने से पहले मिट्टी को तैयार कर लें। मिट्टी तैयार करने के लिए गार्डन की 60% मिट्टी में 40 ब्र कोकोपीट, कम्पोस्ट खाद और रेत मिलाएं।

नोट - मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए आप इसमें पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, नीम की खली इत्यादि जैविक खाद मिला सकते हैं।

गमले में सौंफ का पौधा कैसे लगाएं -

सौंफ के पौधे को बीज से, बल्ब से या विभाजन इत्यादि कई तरीके से लगाया जा सकता है , लेकिन विभाजन से सौंफ का पौधा लगाना बेहद मुश्किल काम है, हो सकता है यह आपको बेहतर परिणाम भी न दे पाए, जिससे आपका समय भी बर्बाद हो सकता है क्योंकि सौंफ एक गहरी जड़ वाला पौधा है जो जड़ में किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ पसंद नहीं करता। आप सौंफ का पौधा बीज से या इसके बल्ब (कंद) से भी उगा सकते हैं, सौंफ को इन विधि से उगाना काफी आसान भी होता है, आज हम आपको सौंफ का पौधा उगाने के दो तरीकों के बारे में बताएँगे।

आइये जानते हैं सौंफ (फेनल) के पौधों को बीज और कंद की कटिंग से लगाने के तरीके के बारे में

घर पर गमले में सौंफ के बीज कैसे उगाएं - गमले में सौंफ के बीज लगाने और सफलतापूर्वक उगाने के लिए आप निम्न टिप्स अपना सकते हैं

सौंफ के पौधे की गहरी जड़ होने के कारण, इसे उगाने के लिए कम से कम 12 इंच गहराई वाला गमले या ग्रो बैग का चयन करें।

सौंफ के बीज लगाने के लिए उचित जल निकासी वाले गमले ही चुनें।

गमले में जैविक खाद युक्त सूखी मिट्टी या पॉटिंग मिक्स भरें।

ध्यान रखें कि गमला ऊपर से 2-3 इंच खाली रहे।

अब गमले की मिट्टी में सौंफ के बीज का छिड़काव करें।

सौंफ के बीज बोने के बाद मिट्टी की धूल की हल्की पतली परत से बीजों को ढक दें तथा वाटरिंग केन से अच्छी तरह पानी दें।

बीज लगे हुए गमले की मिट्टी को हमेशा नम रखें, पौधों को अतिरिक्त पानी देने से बचें।

सौंफ के बीज लगे हुए गमले को घर के अन्दर या गार्डन में उचित जगह पर रखें।

बीज लगाने के लगभग 10-15 दिन के अन्दर सौंफ के बीज अंकुरित हो जाते हैं।

सौंफ के बल्ब कैसे लगाएं -

अगर आपके पास सौंफ के बल्ब या कंद उपलब्ध हो सकते हैं तो इन्हें उगाना सबसे आसान होता है। शुरुआत में सौंफ के बल्ब को आप पानी के किसी बर्तन या जार में उगाना प्रारंभ करें, उसके बाद जब आपके द्वारा लगाए हुए बल्ब में जड़ें विकसित हो जाए तब आप इन्हें गार्डन की मिट्टी में या अन्य किसी स्थान पर गमले में बड़ी ही आसानी से लगा सकते हैं। बल्ब से सौंफ उगाने के लिए आप निम्न विधि (हाइड्रोपोनिक्स विधि) अपना सकते हैं-

एक उथला जार या बर्तन चुनें जिसमें आप सौंफ के कंद (बल्ब) विकसित करना चाहते हैं।

अब फ्लोरेंस सौंफ के बल्ब को बर्तन में रखें।

बर्तन में इतना पानी डालें की कंद आधा डूब जाये।

इस बर्तन को थोड़ी धूप वाले स्थान पर रखें।

कुछ दिनों में बर्तन का पानी बदलते रहें।

ऐसा करने पर कुछ ही दिनों में बल्ब में नई जड़ें विकसित हो जाएंगी।

अब आप इस जड़ वाले बल्ब को गमलें में लगा सकते हैं।

सावधानी पूर्वक बल्बों को गमले में रोपें ताकि जड़ों को कोई नुकसान न हो।

अपने रोपित किये हुए फ्लोरेंस सौंफ के बल्बों की उचित देखभाल करें।

अब आप जान ही चुके होंगे की सौंफ के पौधे को बीज या कंद (बल्ब) से उगाना वास्तव में आसान है। आइये जानते हैं सौंफ प्लांट की देखभाल कैसे करें।

सौंफ के पौधे की देखभाल कैसे करें

सौंफ का पौधा लगाने के बाद सही रखरखाव न होने के कारण अक्सर सौंफ के पौधे में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिनसे बचने के लिए आपको पौधों की उचित देखभाल करने की आवश्यकता होती है, आप अपने घर पर लगे सौंफ के पौधों की देखभाल निम्न तरीके से कर सकते हैं

यदि आप घर पर उगाये गए सौंफ के पौधे की अच्छी ग्रोथ को लेकर चिंतित है तथा जानना चाहते हैं कि सौंफ के पौधे को कितना पानी देना चाहिए? तो हम आपको बता दें कि सौंफ के पौधे समान रूप से नमी की स्थिति में उगना पसंद करते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि मिट्टी में जलभराव नहीं होना चाहिए, क्योंकि अत्याधिक पानी से पौधों की जड़ें सड़ सकती हैं। सौंफ के पौधों को आवश्यकता अनुसार पानी देना चाहिए, जब पौधे बड़े हो जाए तब आप हफ्ते में 1 बार गहराई से सौंफ के पौधों को पानी दे सकते हैं तथा अत्याधिक गर्मी या शुष्क मौसम में थोड़ा अधिक पानी देना चाहिए तथा मिट्टी को सूखने भी न दें। सौंफ का पौधा पूर्ण सूर्यप्रकाश में उगना पसंद करता है, इसीलिए सौंफ के युवा पौधे लगे हुए गमले को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए, जहाँ उसे रोजाना 6 घंटे की धूप मिल सके, लेकिन अत्याधिक तेज धूप पड़ने पर पौधों को किसी आंशिक छाया वाले स्थान पर रखें।

अगर आपने सौंफ के पौधे लगाते समय मिट्टी में अच्छी तरह पोषक तत्वों से युक्त जैविक खाद मिलायी थी तब आपको इसमें अधिक बार खाद देने की आवश्यकता नहीं होती, बढ़ती हुई सौंफ के पौधे को आप हर महीने जैविक खाद (जैसे गोबर खाद, मस्टर्ड केक, वर्मीकम्पोस्ट इत्यादि) दे सकते हैं।

आमतौर पर एफिड्स और सफ़ेद मक्खी (वाइटफ्लाई) जैसे कीड़े आपके सौंफ के पौधे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनसे अपने पौधों को बचाने के लिए आप जैविक कीटनाशक के रूप में पेस्टीसाइड साबुन या नीम तेल के घोल का छिड़काव कर सकते हैं। अब आप जान ही चुके होंगे कि घर पर सौंफ (फेनेल) का पौधा लगाना कितना आसान है तो आज ही बीज या बल्ब (कंद) से अपने घर पर सौंफ का पौधा लगाएं। गमले में बीज या कंद से सौंफ के पौधे लगाने के लिए तथा सौंफ के पौधे की कीटों से सुरक्षा संबंधी देखभाल टिप्स फॉलो करें।

घर पर धनिया कैसे उगाएं ?

ऐतिहासिक रूप से, धनिया हजारों वर्षों से पाचन सहायक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है, और दुनिया भर में धनिया का मसाले के रूप में उपयोग किया जाता रहा है। यह न केवल रंग और ताजा स्वाद जोड़ता है, बल्कि एंटी-फूड पॉइज़निंग एजेंट के रूप में भी काम करता है। सरल तकनीकों के साथ, घर पर धनिया को अन्य जड़ी बूटियों या पौधों के बगल में और एक बालकनी में आराम से उगाया जा सकता है। धनिया पौध में चमकीले हरे पत्ते और फ्लैट और पतले तने होते हैं। इसमें तीखी गंध होती है, प्याज के समान जब ताजा और हल्का गंध एक बार सूख जाती है।तो धनिया के पत्ते अपने चमकीले हरे पत्ते और छोटे फूलों के साथ एक शानदार प्रदर्शन करते हैं। बगीचे में, तुलसी के बगल में पौध शानदार बढ़ती है।

हालांकि, ताजा धनिया बाजार में खोजने के लिए सबसे आसान नहीं है। भले ही भारतीय सब्जी विक्रेता आपके द्वारा खरीदे जाने वाली अन्य सब्जियों के साथ कुछ मुफ्त धनिया 'टॉस' करने का मना नहीं करेगा, लेकिन यह सबसे ताजा या स्वास्थ्यप्रद नहीं हो सकता है। हमारा मानना है कि हमारे शरीर में जो कुछ भी बढ़ता है, उसकी प्रामाणिकता को हम इन-हाउस के रूप में नियंत्रित कर सकते हैं। यहां धनिया उगाने के लिए एक व्यापक गाइड है। चाहे घर के अंदर या बाहर, छोटे स्थानों या खेत में, आगे बढ़ने वाला गाइड आपको सभी परिदृश्यों में धनिया के पौधे को उगाने के लिए सुसज्जित करेगा।

धनिया पौध को जलवायु परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला के तहत घर के अंदर उगाया जा सकता है। हालांकि, गर्मी के महीनों के दौरान गर्म मौसम के कारण घर पर धनिया जल्दी पक जाता है,और पर्णवृद्धि को कम करता है। धनिया की फसल 40 से 45 दिनों में परिपक्व हो जाएगी। यह अक्सर एक रोटेशन फसल के रूप में उपयोग किया जाता है। कुछ उत्पादकों को दिए गए वर्ष में दो बार फसल मिलती है।

▶▶ धनिया को कैसे रोपें?

घर पर धनिया उगाना और ताजा जड़ी बूटी के लिए उपयोग करने का सबसे अच्छा तरीका है। देर से सर्दियों या शुरुआती वसंत में धनिया के बीज बोएं। रसीला, पत्तेदार धनिया की फसल के लिए, निम्नलिखित सरल चरणों का पालन करें

▶▶ धनिया घर के अंदर बढ़ने की युक्तियाँ

1- घर पर धनिया 17 ए से 27 ° C के बीच तापमान में अच्छी तरह से ग्रो होते है। घर पर धनिया को बीज ट्रे में उगाने और फिर अंकुरित रोपाई के बजाय सीधे मिट्टी में बोया जाता है।

2- आप पूर्ण सूर्य और अच्छी तरह से सूखा मिट्टी में 6.2 से 6.8 पीएच के साथ धनिया उगा सकते हैं। धनिया के बीज को मिट्टी में लगभग आधा से एक इंच गहरा बोयें। बीज को लगभग 6 इंच के अंतर पर रखें। बीजों के ऊपर मिट्टी को दबाएं और ठीक गीली घास की आधा इंच की परत के साथ कवर करें। पानी अच्छी तरह से दें।

3-शुष्क काल में पौधों को पानी दें। रूट सड़ने से बचने के लिए पौधे को अधिक पानी नहीं देना सुनिश्चित करें। स्वस्थ जड़ स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए अच्छी मिट्टी की जल निकासी आवश्यक है, क्योंकि धनिया में गहरे टेपोट्स होते हैं।

4-धनिया का अंकुरण 2-3 सप्ताह तक होता है। पतले युवा पौधों को 20 सेमी तक बढ़ने दें, ताकि वे अपने पूर्ण आकार तक बढ़ सकें। धनिया की फसल का विस्तार करने के लिए, नियमित रूप से नरम तनों को काटें।

▶▶ धनिया की देखभाल कैसे करें?

धनिया पालक और लेट्यूस के समान ठंडा मौसम पसंद करता है। इसे आंशिक धूप में उगाया जा सकता है। अंकुरित बीजों को रोपाई या 'रिपोट' करने से बचें और सीधे बीजों से शुरू करना पसंद करें। यह आपको 'बोल्ट' से बचने में मदद करेगा। बढ़ती स्वस्थ धनिया पौध की कुंजी नियमित और स्थिर पानी देना चाहिए। मिट्टी की सतह को ठंडा रखने के लिए गीली घास की परत बनाएं। स्थिर आपूर्ति के लिए, हम बढ़ते मौसम के दौरान हर 2-3 सप्ताह में छोटे 'पैच' लगाना चाहिए।

▶▶ धनिया पौध की कटाई कैसे करें?

धनिया तब काटा जा सकता है, जब पौधा छह इंच लंबा हो गया हो। इस ऊंचाई पर, पौध की पत्तियां कोमल और कम से कम कड़वी होंगी। पत्तियों की तुलना में तना अधिक तीखा होता है। मिट्टी के स्तर पर कोमल तनों को काटें। आप पूरे सीजन में एक स्थिर आपूर्ति रखने के लिए हर छह सप्ताह में नए बीज लगा सकते हैं।धनिया की कटाई के लिए समान चरणों का पालन करें जैसा की हार्वेस्टिंग धनिया पौध के तहत अनुशंसित है।

धनिया बीज की कटाई कैसे करें?

धनिया का पौधा फूल और बीज सिर पर विकसित करने के बाद आप बीज की कटाई भी कर सकते हैं।कटे हुए बीज भूरे रंग के होने चाहिए और बीज सिर में उपलब्ध होते हैं। एक बार भूरा होने पर बीजों को काटा जा सकता है। रसोई में उपयोग करने से पहले कटे हुए बीजों को सुखा लें। उन्हें एक एयरटाइट पेपर बैग में तब तक स्टोर करें, जब तक कि वे लगाए जाने के लिए तैयार न हों। निरंतर फसल के लिए आप उन्हें तुरंत बो भी सकते हैं।

घर पर धनिया को पत्तियो से कैसे उगाएं?

अंकुरित धनिया बीज बोने के सबसे आसान तरीकों में से एक अंकुर विधि के माध्यम से है। धनिया के बीज को रात भर एक उथले स्रद्धह्यद्ध में भिगोएँ। फिर इन बीजों को प्लास्टिक सैंडविच बैग में रखें और सील करें। बैग को एक या दो दिन के लिए अच्छी धूप वाले स्थान पर रखें, जब तक कि छोटे सफेद अंकुर दिखाई न दें। अधिक पानी दें, यह सुनिश्चित करने के लिए बैग की नमी बनाए रखें। एक बार अंकुरित आकार में विस्तार होने पर इन बीजों को ताजा मिट्टी से भरे कंटेनर में रखें। इन बोए गए बीजों के ऊपर मिट्टी की एक पतली परत डालें। चार से पांच घंटे के लिए धूप वाले स्थान पर बीज रखें। आप 'पॉट' घर के अंदर एक जगह पर ले जा सकते हैं, जो हर दिन 4-5 घंटे सूरज की रोशनी प्राप्त हो।

▶▶ गमले में धनिया को कैसे उगाएं?

धनिया एक तेजी से बढ़ने वाला वार्षिक पौधा है, जो 12 - 22 इंच की ऊँचाई तक पहुँचता है। थोड़ी अतिरिक्त देखभाल के साथ, धनिया घर के अंदर भी विकसित कर सकते है, और साथ ही साथ यह बाहर भी उगा सकते हैं।

▶▶ धनिया घर के अंदर बढ़ने के लिए नीचे दिए गए चरण निर्देशों का पालन करें

धनिया को कैसे स्थान पे रखना चाहिए?

अपने गमले में पौधे को कम से कम चार से पांच घंटे धूप वाले स्थान पे रखें। पौधे को सुबह के सूरज की रोशनी को पसंद करता है, क्योंकि इसमें बहुत रोशनी होती है, लेकिन बहुत अधिक गर्मी नहीं होती है।

कंटेनर

जड़ों के लिए पर्याप्त रूप से किसी भी कंटेनर या प्लेटर (लगभग 10 इंच) को लें। सुनिश्चित करें, कि आपके पास कंटेनर के तल में बहुत सारे जल निकासी छेद होने चाहिए।

▶▶ धनिया को कैसी मिट्टी पसंद हैं?

अगर घर के अंदर धनिया बढ़ रहा है, तो अतिरिक्त उपजाऊ मिट्टी की जरूरत होती है। रूट सिस्टम रेंज सीमित है, और यह पोषक तत्वों के लिए उतनी मिट्टी तक नहीं पहुंच सकता जितना कि बगीचे में होता है, इसलिए मिट्टी में पोषण की मात्रा अधिक होनी चाहिए।

▶▶ धनिया को कितना पानी देना चाहिए?

पौधों को पानी दें, जब मिट्टी स्पर्श करे तो सूखी हो। पानी को तब तक अच्छी तरह से दें, जब तक पानी नाले के छेद से बाहर न आ जाए। मिट्टी को नम रखें और भिगोएँ नहीं।

▶▶ धनिया उगाने के दौरान सामान्य समस्याएं

1. बोल्टींग

धनिया में फूल में सीधे बोल्ट लगाने की प्रवृत्ति होती है, यानी पत्तियों के बढ़ने के बजाय, पौधे सीधे फूल अवस्था में आ जाते है। गर्मी, रोपाई या अपर्याप्त पानी के कारण बोल्टींग हो सकता है। हालांकि, कुछ चीजें हैं, जो आप पत्ती उत्पादन चरण को लम्बा करने के लिए कर सकते हैं। मिट्टी को नम रखें, और आंशिक हिस्से में बीज न डालें क्योंकि यह ठीक से बढ़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में सूरज की जरूरत होती है। धनिया सफलतापूर्वक उगाने के लिए एक उत्कृष्ट पौधा है, इसलिए नियमित रूप से हर 5-6 सप्ताह में बोना चाहिए।

2. रूट रोट

धनिया जड़ सड़ने से पीड़ित हो सकता है। यह स्थिति विकसित होती है, यदि पौधे की जड़ें बहुत अधिक गीली हो जाती हैं। इसलिए मिश्रित रेत के साथ अच्छी तरह से सूखा मिट्टी पौधे को बेहतर जल निकासी के लिए जरूरी है। 'ओवरवोटरींग' से मिट्टी की देखरेख भी हो सकती है, और बाद में कुछ पत्ती रोगों का विकास भी हो सकता है। साधारण एहतियात जो इससे बच सकते हैं, दिन में पानी देना, शाम को पौधों को पानी नहीं देना चाहिए।

▶▶ कीट और स्लग से धनिया के पौधे को कैसे बचाएं?

धनिया में एफिड्स और वाइटफ्लाय, विल्ट या पाउडर फफूंदी की समस्या हो सकती है। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट, गाजर मोटली बौना, आर्मीवॉर्म, कटवर्म और नेमाटोड भी फसल को संक्रमित कर सकते हैं। हालांकि, फसल को ज्यादातर उर्वरक के साथ कीटों और वायरस से बचाया जा सकता है। हम एक स्वस्थ उपज के लिए बढ़ती अवस्था में जैविक उर्वरक का उपयोग कर सकते हैं।

▶▶ धनिया से स्वास्थ्य में कौन-कौन से लाभ होते हैं?

धनिया पत्ती आहार फाइबर, मैंगनीज, लोहा और मैग्नीशियम का एक अद्भुत स्रोत है। इसके अतिरिक्त, धनिया के पत्ते विटामिन सी, विटामिन और प्रोटीन से भरपूर होते हैं।

यह एंटीसेप्टिक, एंटीऑक्सिडेंट और प्रकृति में विरोधी भड़काऊ है। धनिया में लिनोलेइक एसिड और सिनोल होता है,जो इसे विरोधी भड़काऊ गुण देते हैं।

जड़ी बूटी गठिया, गुर्दे की खराबी या एनीमिया के कारण सूजन से बचने में मदद करती है। धनिया जड़ी बूटी के सेवन से त्वचा की बनावट में भी सुधार होता है, फंगल संक्रमण और एक्जिमा से लड़ने में मदद करता है।

धनिया में लिनोलेइक एसिड, ओलिक एसिड, स्टीयरिक एसिड और एस्कॉर्बिक एसिड (विटामिन सी) पाया जाता है, जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में प्रभावी बनाता है।

यह खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है, स्वस्थ एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है, जो कई हृदय संबंधी रोगो को रोकता है।

धनिया रक्त शर्करा के स्तर को उत्तेजित करने में सहायक है, और मधुमेह के खिलाफ औषधीय महत्व है। इस जड़ी बूटी के सेवन पर अग्न्याशय से इंसुलिन का स्राव बढ़ जाता है। इससे रक्त में इंसुलिन के स्तर में वृद्धि होती है। नतीजतन, शरीर में उचित आत्मसात और चीनी के अवशोषण को विनियमित किया जाता है।

धनिया आयरन से भरपूर होता है। यह एनीमिया को रोकने में मदद करता है, और सभी अंग प्रणालियों के उचित कामकाज को सुविधाजनक बनाता है।

धनिया पत्ती सबसे अधिक स्वादिष्ट तब होती है, जब वे ताजा काटे जाते हैं। धनिया के पौधे से निकलने वाले बीज को धनिया के नाम से जाना जाता है। पत्तियों को Cilantro कहा जाता है। बीज को एयरटाइट कंटेनर में रखा जा सकता है, और उपयोग के लिए तुरंत जमीन पर उगाया जा सकता है।

Cilantro का उपयोग आमतौर पर मैक्सिकन और भारतीय रसोई सहित कई विभिन्न खाद्य चीजो में उपयोग किया जाता है। पत्तियों को आमतौर पर कई रसोई में एक गार्निश के रूप में उपयोग किया जाता है। धनिया पुदीना, जीरा, चिया, और लहसुन के साथ अच्छी तरह से मिश्रित होता है।

आप पानी के Cubes में पत्तियों को फ्रीज करके फसल को स्टोर कर सकते हैं, या उन्हें सुखा सकते हैं, और स्वाद को बनाए रखने के लिए एयरटाइट कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं।

आप अपने घर में जरूर धनिया उगाएं।